http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 15

प्रयागराज रविवार 29 सितम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

जम्मू-कश्मीर में पहली बार भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनेगी : मोदी

जम्मू, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि जम्मू–कश्मीर में ऐतिहासिक चुनाव हो रहे हैं, क्योंकि पहली बार केंद्र शासित प्रदेश में पूर्ण बहुमत वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार बनेगी। श्री मोदी ने यह भी कहा कि सितंबर 2016 में हुई सर्जिकल स्ट्राइक ने भारत के दुश्मनों को हिलाकर रख दिया है और अब कोई भी देश के खिलाफ साजिश रचने की हिम्मत नहीं करेगा, क्योंकि 'आतंकवाद के आकाओं को पता है कि मोदी उन्हें कहीं भी छुपकर ढूंढ निकालेंगे।" प्रधानमंत्री ने जम्मू में विशाल चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि यह उनकी आखिरी चुनावी रैली है, क्योंकि एक अक्टूबर को जम्मू–कश्मीर में चुनाव खत्म हो जाएंगे। उन्होंने कहा,"आज 28 सितंबर है, पाकिस्तान के खिलाफ ऐतिहासिक सर्जिकल स्ट्राइक की सालगिरह। इसी दिन हमने दुश्मनों को उनके घरों में घुसकर मारा और

दुनिया को दिखाया कि यह नया भारत है, जिसे अब और हल्के में नहीं लिया जा सकता।" उन्होंने कहा कि 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक ने आतंकवाद के आकाओं को सबसे बड़ा सबक सिखाया है क्योंकि अब कोई भी भारत की संप्रभुता को छूने की हिम्मत नहीं कर सकता। प्रधानमंत्री ने कहा,"वर्ष 2016 के सर्जिकल स्ट्राइक ने आतंकवाद के समर्थकों को सबक सिखाया है कि भारत की संप्रभुता को छूने की हिम्मत कोई नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई भारत के खिलाफ कोई हरकत करता है, तो मोदी सरकार उन्हें कहीं भी छुप जाने की जगह नहीं देगी और उन्हें सबक सिखाएगी। इस बयान में प्रधानमंत्री ने यह भी याद दिलाया कि वर्ष 2016 के सर्जिकल स्ट्राइक ने दुनिया को दिखाया है कि भारत अपनी संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम है और अपने दुश्मनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इतनी गिर गई है कि उसने सर्जिकल स्ट्राइक का सबूत मांगा। उन्होंने पूछा,"क्या वे वोट के लायक हैं?" उन्होंने कहा कि आज स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह की जयंती भी है। उन्होंने कहा,"आज मैं इस शहीद नायक को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।" श्री मोदी ने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों के दौरान उन्होंने चुनावी रैलियों को संबोधित करने के लिए जम्मू–कश्मीर के विभिन्न हिस्सों की यात्रा की। उन्होंने कहा,"मैं जहां भी गया, मैंने लोगों में भाजपा के प्रति बहुत उत्साह देखा। जम्मू–कश्मीर के लोग कांग्रेस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) से थक चुके हैं।" श्री मोदी ने कहा कि लोग नहीं चाहते कि पुराने बुरे दिन लौटें, जब भ्रष्टाचार अपने चरम पर था, पिछले दरवाजे से नियुक्तियां की जा रही थीं। उन्होंने कहा,"जम्मू–कश्मीर के लोग नहीं चाहते कि आतंकवाद, अलगाववाद और खून–खराबा वापस आए।" प्रधानमंत्री ने कहा कि अब जम्मू–कश्मीर के लोग शांति चाहते हैं। उन्होंने कहा,"वे भाजपा के शासन के माध्यम से बेहतर भविष्य चाहते हैं।" पिछले दो चरणों में लोगों का मूड बताता है कि उन्होंने भाजपा के पक्ष में मतदान किया है। श्री मोदी ने कहा कि जम्मू–कश्मीर में पहली बार भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनेगी। उन्होंने कहा,"यह ऐतिहासिक फैसला होगा। यह चुनाव ऐतिहासिक फैसला देगा। पहली बार जम्मू के लोगों को अपनी पसंद की सरकार मिलेगी।" श्री मोदी ने कहा,"यह मंदिरों का शहर है, आपको यह आखिरी मौका नहीं गंवाना चाहिए। भाजपा सरकार आपकी चिंताओं को दूर करेगी।" उन्होंने कहा कि जम्मू में असमानता और अन्याय था जिसे केवल श्री मोदी ही दूर कर सकते हैं।

सरदार भगत सिंह का त्याग और समर्पण सदा अमर रहेगा : योगी

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने क्रांतिकारी व स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह की जयंती पर आज उन्हें श्रद्धांजलि दी है। सीएम योगी ने उन्हें याद करते हुए कहा कि आजादी के लिए उनका त्याग और समर्पण सदा अमर रहेगा। सीएम योगी के साथ–साथ कई नेताओं ने भगत सिंह को नमन किया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व वीर क्रांतिकारी भगत सिंह की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! उन्होंने कहा कि मां भारती की स्वतंत्रता के लिए उनका त्याग व समर्पण सदा अमर रहेगा। योगी ने कहा, "भारत की एकता–अखंडता को अक्षुण्ण रखने के लिए उनका अतुल्य बलिदान सदियों तक हमें प्रेरणा प्रदान करता रहेगा। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स पर एक पोस्ट में शहीद भगत सिंह के विचारों को साझा करते हुए लिखा, "मरकर भी

मेरे दिल से वतन की उल्फत नहीं निकलेगी, मेरी मिट्टी से भी वतन की ही खुशबू आएगी।" मौर्य ने कहा, "अनन्त सम्मान के साथ भगत सिंह जी की जयंती पर उन्हें शत–शत नमन ! उनका साहस, उनका जज़्बा, उनकी शहादत– हमेशा हमें अपने देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी याद दिलाती है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने भी सरदार भगत सिंह की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने लिखा, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले, युवाओं में क्रांति की ज्वाला जलाने वाले, माँ भारती के वीर सपूत, अमर बलिदानी सरदार भगत सिंह जी की जयंती पर कोटिशः नमन। बता दें कि सरदार भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर 1907 को पंजाब के एक सिख परिवार में लायलपुर के बंगा गांव (अब पाकिस्तान) में हुआ था। भगत सिंह को अंग्रेजी हुकूमत ने महज 23 वर्ष की उम्र में 23 मार्च 1931 को फांसी दे दी थी।

मोदी सरकार की नीतियों ने बर्बाद कर दिया देश के युवाओं का भविष्य : खड़गे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी युवा विरोधी हैं और उनकी नीतियों ने युवाओं के लिए रोजगार के कोई अवसर पैदा नहीं किए हैं,जिससे देश का युवा बर्बाद हो गया है। श्री खड़गे ने आज यहां कहा, "बेरोज़गारी से बड़ा देश में कोई मुद्दा नहीं है। युवाओं के भविष्य को बर्बाद करने में मोदी जी का सबसे बड़ा योगदान है। अभी आए पीएलएफएस के आँकड़ों को अगर बारीक़ी से देखें तो लाख कोशिशों के बावजूद ये सरकारी डेटा युवाओं की बेबसी को छिपा नहीं पा रहा है।" उन्होंने प्रधानमंत्री से सवाल किया और कहा, "श्री नरेन्द्र मोदी जी को बताना चाहिए कृ क्या 2023–24 में युवा बेरोज़गारी 10.2 प्रतिशत के भयावह स्तर पर नहीं है। रंग–बिरंगे नारे देने और फोटोबाज़ी करने के बजाय मोदी जी ने युवाओं को नौकरियां देने के लिए क्या किया। क्या ये सच नहीं है कि जिन महिलाओं के पास रेगुलर आय की नौकरी है उनकी संख्या अब सात वर्षों में सबसे कम होकर मात्र 15.9 प्रतिशत रह गई है।" कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "क्या गाँव–देहात में अनपेड नौकरी करने वाली महिलाओं की संख्या 2017–18 के 51.9 प्रतिशत से बढ़कर अब 67.4 प्रतिशत नहीं हुई है, जो ग्रामीण बेरोज़गारी को दर्शाता है। विनिर्माण क्षेत्र पर रोज़ाना ढिंढोरा पीटने वाली मोदी सरकार ने इसमें पिछले सात वर्षों में रोज़गार में बढ़ोतरी क्यों नहीं की है। ये आंकड़ा 2017–18 के 15.85 प्रतिशत से लुढ़कर अब 11.4 प्रतिशत कैसे रह गया।" उन्होंने कहा कि श्री मोदी को याद रखना चाहिए कि भारत का एक–एक युवा जिसके रोज़गार को आपकी सरकार ने हथियाने का काम किया है, वो चुनाव दर चुनाव भाजपा को हराने का एकमात्र काम करेगा।

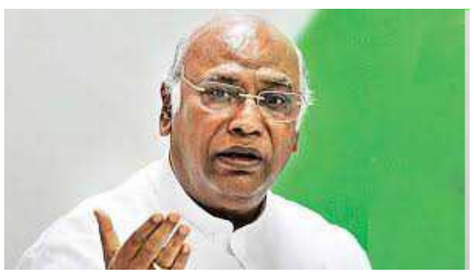

चाइल्ड पोर्न पर एक क्लिक में आपको पहुंचा सकता है जेल

- इरादतन ऐसा कंटेंट देखना पोक्सो के दायरे में आएगा
- वॉच टाइम से तय होगा आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बच्चों के सेक्सुअल एक्प्लाइटेटिव और अब्यूजिव मैटेरियल को लेकर बड़ा फैसला दिया। बच्चों के घटिया वीडियो को किस तरह बाजार में प्रसारित किया जा रहा है और एक समाज के तौर पर हम इस बुराई से कैसे डील कर सकते हैं, किस तरह की नीतियां बनाई जा सकती हैं। इन तमाम मुद्दों पर आज हम बात करेंगे। दरअसल, भारत में बच्चों से जुड़ी पोर्नोग्राफी पर 23 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला आया।

5 प्वाइंट में पूरा फैसला समझें

- बच्चों से जुड़ी अश्लील साम्रगी डाउनलोड करना, देखना और सर्कुलेट करना पोक्सो और आईटी एक्ट के तहत अपराध माना जाएगा।
- अदालत ने कहा कि हमने ये फैसला बच्चों के उत्पीड़न और उनसे दुर्व्यवहार की बढ़ती घटनाओं के आधार पर दिया है।
- अदालत ने संसद को सुझाव दिया कि पोक्सो एक्ट में बदलाव किया जाए। चाइल्ड पॉर्नोग्राफी शब्द की जगह चाइल्ड सेक्सुअल एक्प्लोटेटिव एंड अब्यूजिव मैटेरियल (सीएसईएएस) का इस्तेमाल किया जाए।
- अगर कोई व्यक्ति इंटरनेट पर इस तरह का कंटेंट देखता है और इसे डाउनलोड नहीं करता है तो भी उस पर पोक्सो की धारा 15 के तहत केस बनेगा। ये माना जाएगा कि उसने इस तरह की सामग्री को कंज्यूम किया है।
- अगर इस तरह का कंटेंट देखने वाले का इसे आगे फॉरवर्ड करने का नहीं है या इससे वो कोई आर्थिक लाभ नहीं भी लेना चाहता है तो भी इसे अपराध माना जाएगा।

कुल मिलाकर कहें कि सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि कोई भी व्यक्ति सीएसईएएस कंटेंट भले ही डाउनलोड न करे, भले ही इसे आगे न फॉरवर्ड करे, कोई बिजनेल लाभ न ले, लेकिन वो इरादतन ऐसा कंटेंट देख भर रहा है तो वो भी पोक्सो के दायरे में आएगा। धारा 15 के तहत आने वाली उपधाराएं (1), (2) और (3) एक दूसरे से

स्वतंत्र हैं। यानी कोई मामला अगर किसी एक उपधारा के दायरे में नहीं आता तो भी वह दूसरी उपधारा के अंतर्गत आ सकता है।

उदाहरण के लिए इसे ऐसे समझें सुरेश नाम का व्यक्ति महेश नाम के व्यक्ति को कोई लिंक भेजता है। महेश को पता नहीं है कि इस लिंक में क्या है। वो इस पर क्लिक कर देता है। अगर इस लिंक से एससीईएएम कॉन्टेंट खुलता है तो यहां 2 कंडीशन हैं। पहली स्थिति कि ऐसा कॉन्टेंट खुलते ही महेश तुरंत इसे बंद कर देता है। इस सूरत में वो आरोपी नहीं होगा। दूसरी स्थिति कि महेश ने भले ही लिंक अनजाने में खोला लेकिन जब इस तरह का कॉन्टेंट खुला तो वो उसे देखने लगा। ठीक–ठाक समय तक उसने ये कॉन्टेंट कॉन्ज्यूम किया। इस तरह में वो आरोपी होगा। क्योंकि वहां उसका वॉच–टाइम जुड़ गया है। मद्रास हाई कोर्ट ने इसी साल जनवरी में पॉक्सो एक्ट के एक आरोपी के खिलाफ केस को रद्द कर दिया था। हाई कोर्ट ने कहा था कि अपनी डिवाइस पर चाइल्ड पॉर्नोग्राफी देखना या डाउनलोड करना अपराध के दायरे में नहीं आता है। कोर्ट ने यह टिप्पणी 28 साल के एक शख्स के खिलाफ चल रहे केस पर सुनवाई के दौरान की थी। आरोपी पर अपने मोबाइल फोन पर बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री डाउनलोड करने का आरोप था।

हरियाणा को भाजपा ने बर्बाद कर दिया : राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)पर शनिवार को जमकर हमला करते हुए कहा कि उसने पिछले एक दशक के दौरान हरियाणा की समृद्धि को ध्वस्त करके उसे बर्बाद कर दिया है। श्री गांधी ने 'एक्स' पर कहा, भाजपा ने एक दशक में हरियाणा से उसकी समृद्धि, उसके सपने और शक्ति छीन ली। अग्निवीर से देशभक्त युवाओं की आकांक्षाएं छीन ली, बेरोज़गारी से परिवारों की हंसी छीन ली और महंगाई से महिलाओं की आत्मनिर्भरता। काले कानून लाकर किसानों का हक़ तक छीन लेने का प्रयास किया तो नोटबंदी और गलत जीएसटी से लाखों छोटे व्यापारियों का मुनाफा छीन लिया।" उन्होंने कहा, "अपने मित्रों को फायदा पहुंचाने के लिए हरियाणा का आत्मसम्मान

तक छीन लिया। कांग्रेस की आने वाली सरकार 'दर्द के दशक' का अंत करेगी – हर हरियाणा वासी की उम्मीदों, आकांक्षाओं और ख्वाबों को पूरा करना हमारा संकल्प है।" श्री गांधी ने कांग्रेस सरकार आने पर जो गारंटी देने का वादा किया है। उन्होंने कहा कहा, दो लाख पक्की नौकरियां, नशा मुक्त हरियाणा, 25 लाख तक का मुफ्त इलाज, महिलाओं को 2,000 रुपए हर माह, गैस सिलेंडर 500 में,गरीबों को 100 गज का प्लॉट, 3.5 लाख की लागत से दो कमरों का मकान, बुजुर्ग, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन 6,000 रुपये, पुरानी पेंशन की बहाली, 300 यूनिट मुफ्त बिजली,किसानों को एमएसपी की गारंटी, तत्काल फसल मुआवजा, जाति जनगणना, क्रीमी लेयर की सीमा 10 लाख रुपये करने के साथ ही बचत से लेकर सेहत, अधिकारों की रक्षा से सामाजिक सुरक्षा, रोज़गार की बहार, हंसता खेलता हर परिवार – ये है कांग्रेस की गारंटी।"

हरियाणा चुनाव के लिए कांग्रेस का घोषणा पत्र जारी

महिलाओं को दो हजार, 25 लाख तक का फ्री इलाज

हरियाणा, एजेंसी। कांग्रेस ने शनिवार को राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा की मौजूदगी में आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी घोषणापत्र जारी किया। घोषणापत्र में मुफ्त बिजली, मुफ्त चिकित्सा उपचार, महिलाओं को वित्तीय सहायता, किसानों को एमएसपी की गारंटी और राज्य में जाति जनगणना कराने तक के वादे शामिल हैं। इस दौरान राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उदय भान सहित अन्य नेता भी मौजूद रहे। हरियाणा में कांग्रेस के घोषणापत्र की मुख्य विशेषताओं में हरियाणा में प्रत्येक परिवार के लिए 300 यूनिट मुफ्त बिजली और 25 लाख रुपये तक मुफ्त चिकित्सा उपचार का वादा शामिल है। पार्टी की योजना मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में 'लाडली बहन योजना' और 'लड़की बहन योजना' की पहल के समान, 18 से

- घोषणापत्र में मुफ्त बिजली, मुफ्त चिकित्सा उपचार, महिलाओं को वित्तीय सहायता, किसानों को एमएसपी की गारंटी और राज्य में जाति जनगणना कराने तक के वादे शामिल

60 वर्ष की आयु की महिलाओं को 2,000 रुपये प्रति माह प्रदान करने की भी है। कांग्रेस के घोषणापत्र में गैस सिलेंडर के लिए 500 रुपये का वादा भी किया गया है। किसानों के प्रति प्रतिबद्धता में, कांग्रेस ने सत्ता में आने पर फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी, फसल के नुकसान के लिए तत्काल मुआवजा, किसान आयोग का गठन और डीजल पर सब्सिडी का वादा किया। घोषणापत्र में आवास के प्रावधान भी शामिल हैं, गरीबों के लिए 200 वर्ग गज जमीन और दो कमरे का घर देने का वादा किया गया है। एक और महत्वपूर्ण वादा राज्य में जाति–आधारित सर्वेक्षण कराना है, जिसकी पार्टी लंबे समय से वकालत करती रही है। कांग्रेस की योजना क्रीमी लेयर की सीमा को बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने और युवाओं को 200,000 स्थायी नौकरियां प्रदान करने की है, जिसका लक्ष्य राज्य को नशा मुक्त बनाना है।

केंद्र सरकार की नीतियों के विपरीत, कांग्रेस ने पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को बहाल करने का संकल्प लिया है। सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए, पार्टी विभिन्न पेंशन योजनाओं के तहत वरिष्ठ नागरिकों, विकलांगों और विधवाओं को 6,000 रुपये की पेशकश करेगी। हरियाणा में 90 सीटों वाली विधान सभा के सदस्यों को चुनने के लिए 5 अक्टूबर को चुनाव हैं।

सीतारमण के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक् में बेंगलुरू की एक विशेष अदालत ने पुलिस को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अन्य के खिलाफ जबरन वसूली के आरोपों पर प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश दिये हैं। जनाधिकार संघर्ष परिषद (जेएसपी) के सह–अध्यक्ष आदर्श अय्यर की ओर से चुनावी बॉन्ड से जुड़ी शिकायत में जबरन वसूली के आरोप लगाये गये हैं। इस मामले में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, कर्नाटक प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष नलिन कुमार कटील और विजयेंद्र येदियुरप्पा समेत कई हाई–प्रोफाइल हस्तियां भी शामिल हैं। अप्रैल 2024 में दर्ज की गयी शिकायत में दावा किया गया है कि 2019 से 2022 के बीच चुनावी बॉन्ड के जरिए बड़ी रकम जुटायी गयी, जिसमें एक व्यवसायी की कंपनी से 230 करोड़ रुपये और एक फार्मा कंपनी से 49 करोड़ रुपये शामिल हैं। विशेष अदालत ने पुलिस को तुरंत जांच शुरू करने के भी निर्देश दिये हैं।

गिरिराज सिंह को पाकिस्तान के नंबर से मिली धमकी

- सांसद प्रतिनिधि को आया कॉल, केंद्रीय मंत्री बोले- मैं डरने वाला नहीं

नई दिल्ली,(एजेंसी)। अक्सर अपने बयानों की वजह से सुर्खियों में रहने वाले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को पाकिस्तान–पंजीकृत नंबर से धमकी भरा कॉल आया। वास्तव में यह कॉल उनके प्रतिनिधि अमरेंद्र कुमार अमर के पास आया था। पाकिस्तान के नंबर से ये वॉट्सऐप कॉल आया था जिसमें गिरिराज सिंह और अमरेंद्र कुमार अमर को अंजाम भुगतने की धमकी दी गई। अमर ने बताया कि सुबह 11.28 बजे व्हाट्सएप के जरिए कॉल आई। कॉल के दौरान, कॉल करने वाले ने सिंह के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और धमकियां दीं। अमर, जो भाजपा की खगड़िया जिला इकाई का प्रबंधन भी करते

हैं, ने तुरंत स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अधिकारियों ने पुष्टि की कि शिकायत दर्ज होने के तुरंत बाद एक पुलिस टीम ने अमर के आवास का दौरा किया। अधिकारियों ने यह भी नोट किया कि कॉल करने वाले ने एक अनिर्दिष्ट व्यक्ति की गिरफ्तारी का संदर्भ दिया। पुलिस ने आपराधिक धमकी का मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। वहीं, पूरे मामले पर गिरिराज सिंह का भी बयान सामने आया है। गिरिराज सिंह ने कहा कि मुझे यह मेरे मोबाइल पर प्राप्त नहीं हुआ। इसे बेगुसराय से हमारे पार्टी नेता अमरेंद्र ने प्राप्त किया। भाजपा नेता ने आगे बताया कि उन्होंने पुलिस को सूचना दे दी है और वे इसकी जांच कर रहे हैं।

सम्पादकीय

आम लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़

भारत में आम लोगों के स्वास्थ्य के साथ किस तरह खिलवाड़ हो रहा है, इसकी ताजा मिसाल सामने आई है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ ने दवाइयों का गुणवत्ता परीक्षण किया, जिसमें एक–दो नहीं बल्कि 53 दवाएं खरी नहीं उतरी हैं। परीक्षण में असफल होने वाली दवाओं में रक्तचाप यानी ब्लड प्रेशर, शर्करा यानी डायबिटीज, एसिड रिफलक्स और विटामिन की दवाइयां भी शामिल हैं। इसके अलावा सीडीएससीओ ने जिन दवाओं को फेल किया हैं उसमें बुखार उतारने वाली पैरासिटामोलध्दर्द निवारक डिक्लोफेनेक, एंटीफंगल मेडिसिन फ्लुकोनाजोल जैसी देश की कई बड़ी दवा कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। ये सभी दवाएं मेडिकल टेस्ट में फेल हो गई हैं और इनके सेवन को सेहत के लिए नुकसानदायक भी बताया गया है। इन 53 दवाओं में से परीक्षण में नाकाम की सूची में अभी केवल 48 दवाओं का ही नाम सामने आया है। क्योंकि इसमें से 5 दवाइयां जो फेल हुई हैं उनकी निर्माता कंपनी का कहना है कि ये दवाएं उनकी नहीं है। बल्कि उनके नाम से नकली दवा को बाजार में बेचा जा रहा है। जो दवाएं फेल की गई हैं उनमें सनफार्मा द्वारा निर्मित पैन्टोसिड टैबलेट भी है, जो अक्सर एसीडिटी रोकने के लिए दी जाती है। सीडीएससीओ के इस परीक्षण ने लोगों के स्वास्थ्य की चिंता को और बढ़ा दिया है, क्योंकि एक तरफ दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरी हैं और दूसरी तरफ नकली दवाओं के बाजार में आने की भी खबर है। अभी तो केवल 5 दवाओं का नाम सामने आया है, हो सकता है नकली दवाओं के इस खतरनाक कारोबार में और दवाओं को भी बेचा जा रहा हो। स्वास्थ्य मंत्रालय नकली और परीक्षण में फेल होने वाली दवाओं की बिक्री और इन दवाओं को बनाने वालों पर कितनी सख्त कार्रवाई करेगा, इस बारे में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। फिलहाल स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व भी निभा रहे हैं, उन पर भाजपा के सदस्यता अभियान को सफल बनाने का जिम्मा है। हालांकि तीन दिन पहले आयुष्मान भारत श्प्रधानमंत्री जन–आरोग्य योजनाच्य के छह बरस पूरे होने पर श्री नड्डा ने नरेन्द्र मोदी की इस पहल की तारीफ करते हुए कहा था कि यह योजना दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सेवा पहलों में से एक बन गई है। यह सभी नागरिकों, विशेष रूप से सबसे कमजोर लोगों के लिए समान स्वास्थ्य सेवा पहुंच प्रदान करने के लिए इस सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। स्वास्थ्य मंत्री को यह समझना होगा कि सरकार की प्रतिबद्धता प्रधानमंत्री के गुणगान करने से पहले काम करने से पूरी होगी। सीडीएससीओ ने दवाओं का परीक्षण किया और उसके नतीजे सामने आए, तो यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। वर्ना सेहत सुधारने के नाम पर नकली और असफल दवाओं का सेवन लोगों को और बीमार बना ही रहा था। चिंता की बात यह है कि असफल दवाओं में कई ऐसी दवाएं हैं, जिनका इस्तेमाल सबसे अधिक होता है। जैसे देश में करीब 220 मिलियन लोग हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित हैं, इसी तरह 2021 में डायबिटीज मरीजों की संख्या 529 मिलियन थी। करोड़ों लोग एसीडिटी रोकने की और विटामिन्स की दवाएं लेते हैं। इन सबके स्वास्थ्य पर इन दवाओं का कितना विपरीत असर हुआ होगा, यह अनुमान लगाया जा सकता है। वैसे ही कोरोना महामारी ने देश में अकाल मृत्यु की ऐसी छाया फैलाई है, जिससे आज भी लोग भयभीत हैं। कोरोना के टीकाकरण के बाद उसके अघोषित दुष्प्रभाव अब भी असर दिखा रहे हैं। हर आए दिन अचानक हृदयाघात से मौत की खबरें आ रही हैं और सरकार इस बारे में कुछ नहीं कहती। ब्रिटेन में कोविड वैक्सीन बनाने वाली एस्ट्राजेनका ने माना ही था कि उसके बनाए टीकों से नुकसान हो रहा था। इसके बाद उन टीकों को वापस भी लिया गया। लेकिन क्या भारत में परीक्षण में असफल दवाएं वापस ली जाएंगी, यह बड़ा सवाल है। एक अन्य गंभीर सवाल दवा कंपनियों और सत्तारुढ़ दलों के बीच आर्थिक रिश्तों का है। पाठकों को याद होगा कि इस साल फरवरी में सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड को असंवैधानिक करार दिया था। चुनावी बॉन्ड जारी करने के लिए अधिकृत स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने काफी ना–नुकुर के बाद इसके विस्तृत आंकड़े जारी किए थे, जिनमें खुलासा हुआ था कि कई बड़ी दवा कंपनियों ने करोड़ों के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे हैं और इनका बड़ा हिस्सा भाजपा को मिला है। यह भी पता चला था कि बॉन्ड खरीदने वाली दवा कं पनियों की कई दवाएं पहले परीक्षण में असफल हुई थीं। क्या इस बार भी जिन कंपनियों की दवाएं कसौटी पर खरी नहीं उतरी हैं, उनसे सत्तारुढ़ दलों को किसी तरह का चंदा मिलता है या नहीं, यह पड़ताल का विषय है।फिलहाल प्रधानमंत्री मोदी और स्वास्थ्य मंत्री नड्डा दोनों ही भाजपा का कुनबा बढ़ाने और चुनावी राज्यों में दौरों में व्यस्त हैं, लेकिन इस व्यस्तता से थोड़ा वक्त निकालकर उन्हें उन लोगों के स्वास्थ्य की चिंता करनी चाहिए, जिन्हें वे चुनावी रैलियों में अपना परिवार कहते हैं। 53 दवाओं का परीक्षण में फेल होना, कोई मामूली बात नहीं है, इसकी गहन जांच होनी चाहिए कि आखिर इस असफलता की वजह क्या है। अभी ज्यादा वक्त नहीं बीता जब गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में भारत के बने कफ सिरप को पीने से बड़ी संख्या में बच्चों की मौतें हुई थीं, इसके बाद इन पर कई देशों में प्रतिबंध लगा था। यह वैश्विक स्तर पर शर्मिंदगी थी और ऐसी घटनाओं से असल में देश का अपमान होता है। अब फिर वैसी ही शर्मिंदगी का कारण तैयार हुआ है। अगर तिरुपति के लड्डुओं में मिलावट पर प्रायश्चित जैसे प्रहसन पूरे हो जाएं और हिंदुत्व को सुरक्षित कर लेने की आश्वस्ति हो जाए, तब थोड़ा वक्त निकाल कर दवाओं की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाए, ताकि कोई असमय मौत के मुंह में न जाए।

कार्यस्थल पर तनाव और विषाक्त माहौल को पहचानें

लेखा रत्तनानी

कार्यस्थल पर कामकाज के लंबे घंटे, तनाव और बर्नआउट सर्वविदित है, लेकिन हाल ही में हुई दो मौतों के बाद भारत में जड़ें जमा रही कार्य संस्कृति पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। जुलाई में पुणे के एक युवा चार्टर्ड अकाउंटेंट की मौत और हाल ही में चेन्नई में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की आत्महत्या के मामले ने संपन्न कंपनियों की असली प्रकृति को उजागर कर दिया है। ये घटनाएं कथित तौर पर महीनों तक अवसाद और काम के दबाव से जूझने के बाद हुई। यहां हम ऐसे व्यवसायों के उदाहरण देखते हैं जो बाहर से आधुनिक समय के विकास के प्रकाश स्तंभ के रूप में पेश किए जाते हैं पर ये अंदर से अनिवार्य रूप से उन लोगों की कड़ी मेहनत और कम मजदूरी पर काम करने वाले मजदूरों की दुकानें हैं जिनकी व्यवस्था में कोई आवाज नहीं है– भारत के प्रतिभाशाली युवा। पिछले हफ्ते 38 वर्षीय कार्तिकेयन को उनकी पत्नी जयारानी ने चेन्नई के अपने घर में मरा हुआ पाया। उसने बिजली के जिंदा तार छूकर मौत को गले लगा लिया। कार्तिकेयन ने चेन्नई की एक सॉफ्टवेयर फर्म कंपनी में 15 साल तक काम करने के बाद एक नई नौकरी ज्वाईन की थी। परिवार के सदस्यों का कहना था कि कार्तिकेयन पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में था और उसका इलाज चल रहा था। आत्महत्या करने के पहले वह अपने दोनों बच्चों को उनके नाना–नानी के यहां छोड़ आया था। विषाक्त कार्य संस्कृति में काम कर रहे 26 वर्षीय एन्ना सेबेस्टियन पेरायिल गत जुलाई में काम करने के दौरान ही बेहोश हो गयी। यह आधुनिक समय की भरपूर

नींद से वंचित कार्य संस्कृति की भयावहता की एक सामान्य कहानी है जिसे उसकी मां ने सुनाया। एन्ना ने विशेष योग्यता के साथ सीए परीक्षा उत्तीर्ण की थी लेकिन अर्न्स्ट एंड यंग कंपनी में अपनी नौकरी के चार महीने बाद उसके साथ यह हादसा हुआ। अर्न्स्ट एंड यंग इंडिया के चेयरमैन राजीव मेमानी को लिखे पत्र में एन्ना की मां अनीता ऑगस्टीन ने लिखा कि कंपनी में हर कोई जानता था कि एन्ना को एक ऐसे मैनेजर के अधीन रखा जा रहा है जो गैर–पेशेवर है। उन्होंने लिखा–वास्तव में एन्ना को अपने मैनेजर के बारे में सहकर्मियों से कई चेतावनियां मिली थीं। उसका मैनेजर क्रिकेट मैचों के दौरान अक्सर बैठकों का समय फिर से निर्धारित करता था और दिन के अंत में उसे काम सौंपता था जिससे उसका तनाव बढ़ जाता था। एक ऑफिस पार्टी में एक वरिष्ठ सहकर्मी ने मजाक में कहा कि उसे अपने मैनेजर के अधीन काम करने में मुश्किल होगी। दुर्भाग्य से उस सहकर्मी का मजाक एक वास्तविकता में बदल गया और वह काम का तनाव सह नहीं सकी। यह विशेष रूप से निंदनीय है क्योंकि यह दर्शाता है कि अर्न्स्ट एंड यंग इंडिया काम करने के इस तरीके को जानता था, बर्दाश्त करता था और शायद प्रोत्साहित भी करता था। इस घटना से अकाउंटिंग के क्षेत्र में वैश्विक बड़ी चार में से एक मानी जाने वाली कंपनी में व्यावसायिकता की कमी पर नए सवाल उठते हैं। क्या भारत को इन कंपनियों को इस तरह की खुली छूट देनी चाहिए? जो कुछ गलत हुआ है उसके लिए चेयरमैन को क्यों नहीं जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए? मामले की कितनी जांच हो रही है? कंपनी ने इस मामले में अब तक क्या किया है? अर्न्स्ट एंड यंग इंडिया एक वैश्विक फर्म है लेकिन भारत के घरेलू प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने बहुत अलग लोकाचार और पृष्ठभूमि से उभरकर तेजी से विकास किया है। इसने देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। महामारी के दौरान भी इसने अपनी स्थिति बनाए रखी। उसने अपने विशाल कार्यबल को घर से काम करने वाली सेना में बदलकर गति और दक्षता के साथ काम किया। उसके कर्मचारी अब और भी अधिक घंटे काम करते हैं क्योंकि उन्हें ऑफिस तक जाने की तकलीफ नहीं उठानी पड़ती। दूरसंचार व्यवस्था के व्यापक विस्तार के कारण कंपनियों को महंगे किराए के कार्यालय छोड़ने की भी मौका दिया जिससे उनका मुनाफा बढ़ा। धीरे–धीरे जीवन सामान्य होता गया और कार्यालयों में काम भी शुरू हो गया। फिर भी आईटी क्षेत्र ने घर से काम करना जारी रखा पर कर्मचारियों के काम के घंटे कम नहीं हुए हैं जिसकी वजह से तनाव बढ़ रहा है। इस साल की शुरुआत में बरीयिंग द बर्नआउट डिकोडिंग द हेल्थ चैलेंजेस ऑफ इंडियाज टेक जीनियस शीर्षक से एक अध्ययन में पाया गया कि 43 प्रतिशत भारतीय तकनीकी–पेशेवर अपने काम के कारण सीधे तौर पर स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं से परेशान हैं। लंबे समय तक काम करने के घंटे इन स्वास्थ्य समस्याओं के लिए जिम्मेदार हैं। 50 प्रश से अधिक तकनीकी पेशेवर प्रति सप्ताह औसतन 52.5 घंटे काम करते हैं जो राष्ट्रीय औसत 46.7 घंटे प्रति सप्ताह से अधिक है और यह आंकड़ा अभी भी भारत को सबसे लंबे समय तक काम करने वाले देशों में से एक बनाता है। कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा मंच ऑनस्युरिटी और नॉलेज चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज् द्वारा किए गए अध्ययन में कहा गया है कि इस तरह के लंबे समय तक काम करने के नतीजे गंभीर हैं। आध ो से अधिक उत्तरदाताओं ने एसिडिटी, पेट की समस्याओं, पीठ और गर्दन में दर्द, अनियमित नींद, दृष्टि संबंध ी समस्याओं सहित प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों की बात कही। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं प्रमुख थीं। 45 फीसदी तकनीकी पेशेवरों ने कहा कि वे तनाव, चिंता और अवसाद से जूझ रहे हैं। ऐसी रिपोर्ट्स ने शायद पहले इतनी चिंता नहीं जगाई होगी लेकिन ऐसी घटनाओं के कारण पहुंचे सदमे और आलोचना के बाद सरकार के पास इन मामलों पर ध्यान देने और कार्रवाई करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। केंद्रीय श्रम मंत्रालय ने एन्ना पेरायिल के मामले और अर्न्स्ट एंड यंग इंडिया में कार्य संस्कृति की जांच की घोषणा की है जिसने उनके स्वास्थ्य को प्रभावित किया और अंततरू उनकी जान ले ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण खुद को विपक्षी दलों के इस सुझाव में उलझा हुआ पाती हैं कि शैक्षणिक संस्थानों और अभिभावकों को बच्चों को चुनौतियों का सामना करने और काम पर समस्याओं को हल करने के लिए आंतरिक शक्ति बनाने में मदद करनी चाहिए न कि उनके सामने झुकना चाहिए। ऐसे समय में एनआर नारायण मूर्ति के शब्दों से होने वाले नुकसान को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने कहा था कि देश के युवा राष्ट्रीय उत्पादकता बढ़ाने में मदद करने के लिए सप्ताह में 70 घंटे काम करें। हम देख सकते हैं कि कड़ी मेहनत और कम मजदूरी पर काम करने वाले मजदूरों की दुकानें हैं, वे उत्पादकता नहीं बढ़ाती हैं बल्कि निर्दोष नागरिकों को मारती हैं।

राहुल ने राजनीति को जनतांत्रिक बना दिया

प्रो. रविकांत

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 26 सितंबर को हरियाणा में असंध और बरवाला में दो चुनावी रैलियों को संबोधित किया। राहुल गांधी ने अपने भाषण में करनाल जिले के 8–10 साल के बच्चे देव के आंसुओं का बार–बार जिक्र किया। वह अपने पिता से मिलने के लिए बेताब है। लेकिन उसके पिता अमित मान अभी घर वापस नहीं आ सकते। राहुल गांधी ने कहा, श्मैं देव के आंखों से आंसू पोंछना चाहता हूं। उसके होठों पर खुशी देखना चाहता हूं। उसके पिता को भारत बुलाना चाहता हूं। मैं एक ऐसा हरियाणा चाहता हूं, जहां अवैध तरीके से कोई नौजवान नौकरी के लिए विदेश जाने के लिए मजबूर ना हो। राहुल गांधी के भाषण ने पूरे देश को द्रवीभूत कर दिया है। आज करनाल के बच्चे देव और उसके आंसुओं का जिक्र हर व्यक्ति की जुबान पर है। देश का हर जागरुक व्यक्ति राहुल गांधी के भाषण की प्रशंसा कर रहा है। बहुत शालीन किंतु गंभीरता से राहुल गांधी लगातार देश के बुनियादी मुद्दों को उठा रहे हैं। देव का जिक्र करते हुए खुद राहुल गांधी की आंखों में आंसू छलक आते हैं। ये आंसू नाटकीय भंगिमा के लिए जबरन नहीं पैदा किए गए। बल्कि एक पिता और पुत्र के बिछोह से उपजे हैं। राहुल गांधी ने अपनी युवावस्था के दहलीज पर ही अपने पिता को हमेशा के लिए खो दिया था। राहुल गांधी के छलकते हुए आंसुओं में पिता के अहसास की गर्माहट और उनको खोने की पीड़ा मौजूद थी। राहुल गांधी ने शीर्ष पद पर पहुंचे बिना भारत की राजनीति को सृजनात्मक जीवन मूल्यों से संवारा है। उन्होंने राजनीति को संवेदनशील बनाया है। सत्ता के लिए नफरत और विभाजन की राजनीति से दूर राहुल गांधी मनुष्यता को पोषित करने वाली राजनीति कर रहे हैं। दो–तीन साल पहले जहां लोगों को राजनीति से ऊब और चिढ़ होने लगी थी, राहुल ने प्रेम और सौहार्द्र का संदेश देकर राजनीति के प्रति लोगों का रुझान बदल दिया है। राहुल गांधी कभी प्रधानमंत्री बनें या ना बनें, उन्होंने भारत की राजनीति में एक नया प्रतिमान स्थापित कर दिया है, जिसकी चर्चा लंबे समय तक होती रहेगी। इसकी शुरुआत भारत जोड़ो यात्रा से हुई। कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल चलते हुए राहुल गांधी ने बच्चों को कंधों पर बिठाया, बुजुर्गों को सीने से लगाया, नौजवानों को हौसला दिया, महिलाओं को सम्मान दिया, दलितों को सामाजिक न्याय का संकल्प दिया, आदिवासियों को इस देश का पहला मालिक कहकर पुकारा, पिछड़ों की भागीदारी के लिए जाति जनगणना की मांग की। राहुल गांधी ने इस यात्रा के जरिए देश में व्याप्त नफरत और हिंसा के भय को दूर करने में कामयाबी हासिल की। किसानों और नौजवानों की नई उम्मीद बनकर राहुल गांधी खड़े हो गए। मुसलमानों और ईसाइयों के लगातार दरक रहे भरोसे को राहुल गांधी ने मजबूत किया। उन्होंने देश की राजनीति में भारत के विचार को बिखरने से बचाया। एक अकेला सब पर भारी और 56 इंच की छाती की मुनादी करते हुए नरेंद्र मोदी ने अपने इर्दगिर्द एक औरा बना लिया था। इसमें सत्ता का गुरुर तो था ही विपक्ष को अप्रासंगिक बना देने की हनक भी थी। नरेंद्र मोदी का यह अहंकार देश के लोगों पर बहुत भारी पड़ गया। नोटबंदी और कोरोना काल की तालाबंदी के समय लोगों को भेड़–बकरियों की तरह हांक दिया गया। सैकड़ों लोग मर– खप गए। लेकिन मोदी ने उफ्फ तक नहीं की। किसानों की मौत पर जश्न मनाने वाले सत्तातंत्र के सामने आज राहुल गांधी के एक बच्चे के आंसुओं का जिक्र करना बहुत मायने रखता है। राहुल गांधी ने अपने भाषण में देव के दर्द को बयां करते हुए भारत में बेरोजगारी की भयावहता को मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया। करनाल से निकलकर अमित मान और उसके जैसे हजारों नौजवान डंकी बनकर अमेरिका और यूरोप के देशों में काम की तलाश में पहुंचे। राहुल गांधी ने अमित मान की उस यातना भरी यात्रा का भी जिक्र किया। पश्चिम एशिया से होते हुए दक्षिण अमेरिका के जंगलों और समुद्र को पार करके माफिया से लुटते–पिटते हुए दर्जनों भारतीय नौजवान अमेरिका पहुंचे। अमित मान 10 साल तक अपने वतन वापस नहीं लौट सकता। बूढ़े मां–बाप, पत्नी और बच्चे रोज उसकी राह देखते हैं! देव को लगता है कि उसके पिता अब वापस नहीं आयेंगे। अब वह उनसे नहीं मिल पाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस ऐसा हरियाणा चाहती है, जहां बेरोजगार नौजवानों को अपने देश में ही रोजगार मिले। दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था की ओर उन्मुख कथित विश्वगुरु भारत में इतनी बेरोजगारी क्यों है? राहुल गांधी ने मोदी और उनके कॉर्पोरेट मित्रों पर बड़ा हमला करते हुए कहा, मोदी ने अदानी को पोर्ट, एयरपोर्ट सब कुछ बेच दिया। अडानी और अंबानी का कारोबार चीनी कंपनियों के साथ है। अडानी चीन से सामान मंगाकर, उस पर अपना लेबल चस्पाकर बेचता है। सामान चीन बना रहा है। रोजगार चीन में सृजित हो रहा है। मुनाफा अदानी कमा रहा है और भारत के नौजवान डंकी बनकर दूसरे देशों में जाकर नौकरी करने के लिए मजबूर हैं। सेना और पुलिस की सेवा करने का ख्वाब संजोने वाले हरियाणा के नौजवानों के सामने निपट अंधेरा है। उनके सपनों को मोदी ने छीन लिया। बूढ़े मां–बाप और बच्चों की आंखों को आंसू दिए और पत्नी को लंबा इंतजार। राहुल गांधी का यह भाषण जितना स्वाभाविक था, उतना ही प्रभावशाली भी। पिछले एक दशक से राजनीति और सत्ता में संवेदनशीलता का लोप हो गया है। सत्ता में हिंदुत्व का वर्चस्व स्थापित है। सरकारी तंत्र नागरिकों के प्रति जिम्मेदार नहीं।

वीजीएम में हुआ विश्व रैबीज दिवस पर गोष्ठी का आयोजन

औरैया, (यूएनएस)। शनिवार 28 सितंबर को दिबियापुर के विवेकानंद ग्रामोद्योग महाविद्यालय दिबियापुर की हेल्थ केयर सेल एवं जिला चिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान में विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया । गोष्ठी को संबोधित करते हुए औरैया जनपद के महामारी रोग विशेषज्ञ डॉ सरफराज अंसारी ने संबोधित करते हुए कहा कि रेबीज का बचाव केवल टीके के द्वारा ही संभव है ।कुत्ता, बिल्ली ,बंदर नेवला एवं अन्य जानवरों के काटे जाने के पश्चात किसी भी प्रकार की कोताही न बरतें और अपने निकटतम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर रेबीज का टीका अवश्य लगवाएं।इस बीमारी का बचाव केवल टीके के द्वारा ही संभव है। रेबीज की संभावनाओं से संबंधित जानवरों द्वारा काटे जाने पर उस स्थान को तेज धार के पानी तथा डिटर्जेंट से 15 मिनट तक निरंतर धुलते रहें और अतिशीघ्र निकटतम स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क स्थापित करें। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ विजय आनंद ने कहा कि जो भी रेबीज की संभावनाओं से संबंधित जानवरों का पालन करते हैं वह अपने पालतू जानवरों का भी टीकाकरण समय समय पर कराते रहें जिससे इस महामारी से बचा जा सके। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से सौरव यादव एवं राहुल सिंह ने कार्यक्रम आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया । महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ इकरार अहमद ने अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कार्यक्रम का संचालन हेल्थ केयर सेल के प्रभारी डॉ राकेश तिवारी ने किया। इस अवसर पर डॉ रीना आर्य, डॉ इफ्तिखार हसन, डॉ यश कुमार, डॉ संदीप ओमर, डॉ विनोद कुमार, डॉ श्याम नारायण, डॉ शीलू त्रिवेदी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सुप्रिया बनीं एक घंटे की औरैया डीएम

औरैया, (यूएनएस)। औरैया के जिलाधिकारी डॉ इंद्रमणि त्रिपाठी जब से उन्होंने औरैया जिले का चार्ज लिया है अपनी किसी न किसी जनहित और मानवता की को लेकर चर्चा में बने रहते है उन्हें औरैया में जिलाधिकारी बने हुए ज्यादा समय नही बीता है लेकिन उनके द्वारा जनता के हित में किए जा रहे कार्य उनके अच्छे आचरण की गवाही दे रहे हैं और वह जनता के दिल में जगह बनाने में सफल हो रहे हैं डीएम औरैया शनिवार को कार्यालय में पीड़ितों की समस्याएं सुन रहे थे इस दौरान डीएम से मिलने आई छात्रा कु० सुप्रिया भदौरिया पुत्री महेंद्र पाल सिंह भदौरिया निवासी बेला ने जिलाधिकारी से कहा कि मुझे आप जैसा बनना है तो जिलाधिकारी ने भारत सरकार की बेटी बचाओ– बेटी पढ़ाओ योजना तथा महिला सशक्तिकरण योजना के जागरूकता कार्यक्रमों के प्रोत्साहन के लिए एक घंटे के लिए डीएम औरैया की कुर्सी छात्रा को दे दी और वह खुद साइड की कुर्सी पर बैठ गए जिसके बाद वहाँ खड़े लोग यह सब देख हैरान रह गए जिसके बाद वहां आए पीड़ितों की समस्याओं को जिलाधिकारी बनी छात्रा ने गहनता के साथ सुना और पीड़ितों की समस्याओ के निस्तारण के लिए भी कहा जिलाधिकारी औरैया का यह कार्य देख जिले के लोग उनकी ही चर्चा करते नजर आये।

डीएम व एसपी ने समाधान दिवस पर फरियादियों की सुनी समस्याएं ,संबंधित को दिए

औरैया, (यूएनएस)। जिलाधिकारी डा इन्द्रमणि त्रिपाठी व अपर पुलिस अधीक्षक आलोक मिश्रा ने थाना दिबियापुर पर आयोजित समाधान दिवस में आए समस्या संबंधी आवेदन पत्र के आवेदकों से आवेदन लेते हुए उनकी समस्याओं का संज्ञान लिया और संबंधित हल्का इन्चार्ज, लेखपाल को निर्देशित किया कि जो भी समस्या प्राप्त हुई है उसकी स्थलीय जांच करते हुए निर्धारित समय में नियमानुसार निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि निस्तारण में यह प्रयास किया जाए कि दोनों पक्ष संतुष्ट हों जिससे समस्या का निस्तारण स्थाई हो सके। इस अवसर पर भूमि विवाद एवं अवैध कब्जा की शिकायतें प्राप्त हुई जिस पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित थाना प्रभारी एवं लेखपाल को निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण स्थलीय जांच कर किया जाएं तथा सम्बन्धित को भी अवगत कराया जाए।इस अवसर पर थानाध्यक्ष, लेखपाल व शिकायतकर्ता आदि उपस्थित रहे।

राम,रावण युद्ध के साथ होगा पुतला दहन

औरैया, (यूएनएस)। दिबियापुर नगर में इस वर्ष भी दशहरे पर भव्य रावण पुतला दहन व मेले का आयोजन होगा।इसको लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। नुमाइश मैदान पानी की टंकी के पास मेला ग्राउंड पर आयोजित होने वाले मेले में दुकानदारों को निशुल्क जगह दी जाएगी।नगर पंचायत अध्यक्ष राघव मिश्रा ने बताया कि पारंपरिक तरीके से इस बार भी दशहरा पर 12 अक्तूबर को नुमाइश मैदान पर मेले का आयोजन किया जाएगा। दोपहर बाद रामलीला मंच पर राम रावण युद्ध लीला का मंचन ख्याति प्राप्त कलाकारों द्वारा किया जाएगा। रावण वध के साथ 50 फीट ऊंचे रावण पुतला का दहन एवम आतिशबाजी शो का आयोजन होगा।उन्होंने बताया रावण पुतला कानपुर के कारीगर तैयार कर रहे हैं। दशहरा मेले में बच्चों के लिए झूले व अन्य मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। मेले में दुकानदारों को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर निशुल्क जगह आवंटित की जाएगी।इसके लिए नगर पंचायत कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।उन्होंने बताया कि दशहरा मेले को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान को प्रभावी गति देने हेतु पालिका सभासदों संग बैठक आयोजित

पुखरायां कानपुर देहात, (यूएनएस)। नगर पालिका परिषद में विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान तथा दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अधिशासी अधिकारी अजय कुमार द्वारा वार्ड के सभासदों तथा नगर पालिका कर्मचारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में यूनिसेफ ब्लॉक मोबिलाइजेशन कोऑर्डिनेटर ब्लॉक अमरौधा से आई रुखसाना परवीन ने दिमागी बुखार व वेक्टर जनित रोगों जल जनित रोगों तथा मौसम से संबंधित रोगों के बारे में तथा उनसे बचाव की जानकारी दी। वेक्टर जनित रोगों तथा संचारी रोग नियंत्रण दिमागी बुखार की रोकथाम व बचाव के लिए निम्न जानकारी दी गई जिसमे शहरी क्षेत्रों में फॉगिंग करवाना तथा वातावरणीय व्यक्तिगत स्वच्छता के उपायों खुले में शौच न करने, शुद्ध पेयजल के प्रयोग तथा मच्छरों की रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान संचालित करना। खुली नालियों को ढकने की व्यवस्था, नालियों ६ कचरों की सफाई करवाना। उथले हैण्डपम्पों का प्रयोग रोकने के लिये उन्हें लाल रंग से चिन्हित किया जाना। हैण्डपम्पों के पाइप को चारों ओर से कंकरीट से बन्द करना। हैण्डपम्पों के पास अपशिष्ट जल के निकलने हेतु सोक–पिट का निर्माण। शुद्ध पेयजल की गुणवत्ता के अनुश्रवण के लिये बैक्टीरियोलॉजिकल, वायरोलॉजिकल जाँच।आबादी में मिनी पब्लिक वाटर सप्लाई टैंक टाईप स्टैन्ड पोस्ट की मानको के अनुसार स्थापना एवं अनुरक्षण, जल भराव तथा वेक्टीरिया की वृद्धि को रोकने के लिये सड़कों तथा पेवमेन्ट का निर्माण करना, सड़कों के किनारे उगी अनुपयुक्त वनस्पतियो को नियमित रूप से हटाया जाना, कस्बे को बस्तियों के संवेदनशील आबादी समूहों में अपनी गतिविधियों को केन्द्रित करना। संवेदनशील क्षेत्रों को प्राथमिकता के आधार पर खुले में शौच से मुक्त करना। साथ ही साथ लोगों में जागरूकता फैलाना ताकि अपने आसपास क्षेत्र व घरों की छतों में पानी न रुकने दें और बीमारी से बचाव किया जा सके। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि करुणा शंकर दिवाकर, सभासद मनीष गुप्ता रमेश अखिलेश शकील मुकेश हुसैन अंकित अग्निहोत्री पालिका कर्मचारी अतुल पांडे जितेंद्र कुमार विकास यादव हर्ष जैन अरविंद जैन मनोज कुमार मिश्रा प्रमोद गुप्ता सहित अन्य मौजूद रहे।

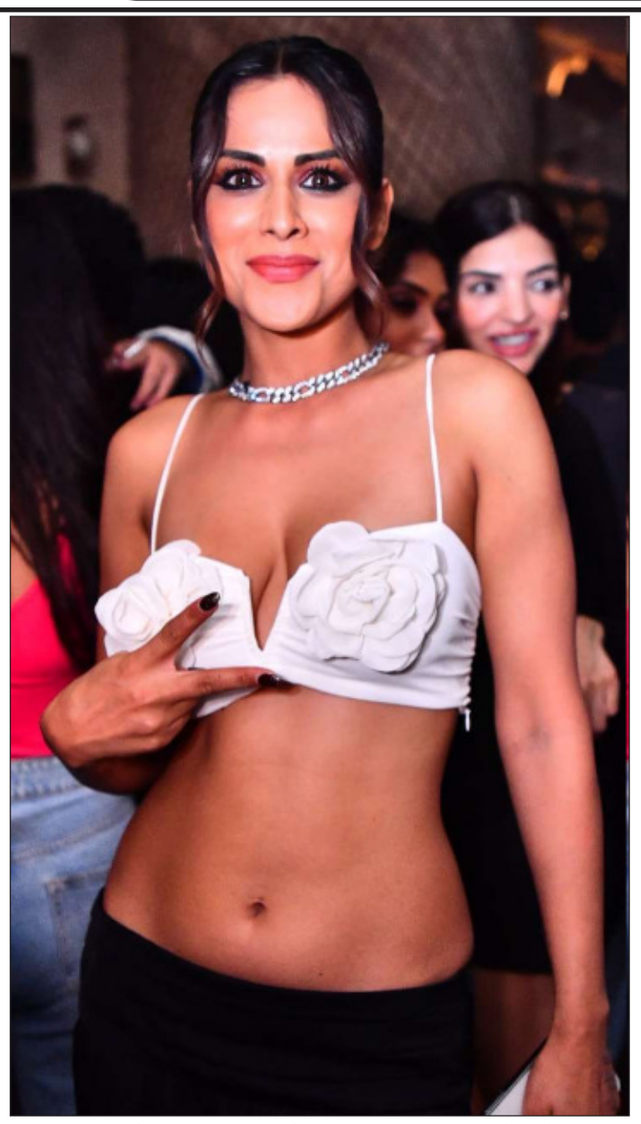

यंग गर्ल्स साड़ी संग ट्राई करें Nia के Bold क्रॉप टॉप

राज्य अध्यापक पुरुस्कार विजेता पारुल का हुआ भव्य अभिनंदन

कानपुर देहात, (यूएनएस)। शिक्षा के साथ ही अन्य सामाजिक क्षेत्रों में प्रतिभाओं को बढ़ाने तथा उनको प्रेरणास्रोत के रूप में प्रस्तुत करने के लिए सरकार द्वारा प्रतिवर्ष संबंधित विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों, अधिकारियों को राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। प्रतिवर्ष संबंधित विभागों से ऐसे विशिष्ट प्रतिभाओं के उत्कृष्ट कार्यों का प्रमाणित लेखा–जोखा राज्य स्तर पर प्रस्तुत किया जाता है। जिसमें सिलेक्शन कमेटी द्वारा प्रत्येक जिले में विजेताओं की घोषणा करते हुए नगद धनराशि सम्मान प्रतीक चिन्ह सेवा विस्तार तथा अन्य सुविधाओं को सरकार द्वारा प्रदान किया जाता है। इसी क्रम में वर्ष 2023 के क्रियाकलापों के आधार पर जनपद से राज्य अध्यापक पुरस्कार विजेता के लिए विकासखंड रसूलाबाद के बेसिक विद्यालय उसरी में तैनात प्रधानाध्यापिका पारुल निरंजन को वर्ष 2024 में शिक्षक दिवस के अवसर पर यह गौरव हासिल हुआ। ज्ञात हो कि शिक्षिका पारुल निरंजन बच्चों में नवाचार के माध्यम से तथा बेसिक शिक्षा के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ट कार्य करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में अभिनव प्रयोग के द्वारा बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि की अलग जगाती चली आ रही हैं। उनको पुरस्कार मिलने पर वर्ष 2022 के राज्य अध्यापक पुरस्कार विजेता शैलेंद्र सचान सहित जनपद के साथी शिक्षक शिक्षकाओं ने उपहार तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका भव्य अभिनंदन किया और समूचे शिक्षा विभाग की ओर से अपनी शुभकामनाएं व्यापित की। प्राप्त शुभकामनाओं से अभिभूत होकर पारुल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मन में यदि ठान लिया जाए तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती। हर मंजिल को पाया जा सकता है। अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने साथी अध्यापको एवं बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों को देते हुए इसी प्रकार सभी के सहयोग मिलते रहने की कामना की। उक्त अवसर पर अटेवा प्रदेश पदाधिकारी कुलदीप सैनी, प्रदीप यादव जिला संयोजक अटेवा, ब्लॉक अध्यक्ष सुखदेव बाबू, शिवनाथ ,त्रिलोकचंद ,बृजमोहन यादव अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ रसूलाबाद, अंजली गौर जिला अध्यक्ष महिला शिक्षक संघ, नागेंद सिंह, रीना कटियार, एल बी सिंह, सुधीर पांडेय, ब्रजमोहन यादव, अरुण यादव, विकास त्रिपाठी, आशीष द्विवेदी, सूर्यप्रताप सिंह, गौरव सिंह, मयंक मिश्रा, इसरार खान, नागेंद्र वर्मा, शिवनाथ, मनोज, ममता राठौर, रत्ना, मोनिका वर्मा, भारती सचान सहित उनके पारिवारिक जन, सफल व्यवसाई अनिल सचान गुड्डू, अंकित, महेंद्र सचान सहित अन्य उपस्थित रहे।

ज्यादा सदस्यता से ही आगामी चुनाव में होगी प्रचंड जीतरू जिला प्रभारी

कानपुर देहात, (यूएनएस)। ज्यादा से ज्यादा सदस्यता विधान सभा चुनाव के लिए जीत की कुंजी है। यह बात अशोक सिंह राजपूत जिला प्रभारी ने जिला भाजपा कार्यालय पर प्रथम चरण के सदस्यता अभियान तथा सेवा पखवाडे की समीक्षा तथा द्वितीय चरण एक अक्टूबर से पन्द्रह अक्टूबर तक चलने वाले सदस्यता अभियान की योजना बैठक मे मुख्य अतिथि के रूप मे कहे। जिला प्रभारी ने बताया कि द्वितीय चरण मे समाज के विभिन्न वर्गो जातियो और समुदाय को भाजपा से जोडने के लिए मोर्चा प्रकोष्ठ प्रकल्प विभाग सहित सभी प्रमुख कार्कर्ता इस अभियान मे लगेगे। साथ ही महाविद्यालयो नगरो के प्रमुख चौराहो बस स्टैंड तथा ग्रामीण क्षेत्रो मे लगने वाले वाजारो मे कैम्प सदस्यता करेगे। प्रथम चरण दो सितंबर से पच्चीस सितंबर तक चलने वाले सदस्यता अभियान की मंडलवार कुल सदस्यता,दो सौ से अधिक सदस्यता, सौ से अधिक सदस्यता तथा पचास से कम सदस्यता वाले बूथो का व्रत्त लिया। 29 सितंबर को मोदी जी की मन की बात वाले कार्यक्रम को सदस्यता पर्व से जोडने के लिए अधिक से अधिक सदस्य बनाने को कहा। जिला प्रभारी ने 17सितम्वर से 2अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाडे की विन्दुवार समीक्षा की तथा 2अक्टूबर गान्धी जयंती के अवसर पर महात्मा गान्धी की प्रतिमाओ को सूचीबद्ध कर एक अक्टूबर को स्वच्छता तथा दो अक्टूबर को माल्यार्पण के साथ खादी भंडार की दुकानो से सामग्री खरीदने का संकल्प लिया। समीक्षा बैठक मे मौजूद वंशलाल कटियार जिला सदस्यता प्रमुख ने बैठक की। प्रस्तावना रखते हुए बूथो के साथ व्यक्तिगत लक्ष्य को समय से पूर्ण करने का आव्हान किया। सेवा पखवाडा के जिला संयोजक रामजी मिश्रा ने मंडलवार गान्धी जयंती पर कार्यक्रम करने अधिक से अधिक सदस्यता करने को कहा। बैठक मे प्रमुख रुप से श्यामसिह सिसोदिया नीरज पांडे रागनी भदौरिया रचना त्रिपाठी वरूण राजपूत आशीष दीक्षित गुन्जन पाल अवधेश कमल अशुल वाजपेयी दुर्गा प्रसाद प्रजापति के पी सिंह अखिलेश त्रिपाठी सूर्य प्रताप सिंह विभुन्द्र प्रताप सिंह रेणुका सचान विनयप्रताप सिंह श्यामविहारी शुक्ला के साथ प्रमुख रूप से व्रजेन्द्र सिंह मनोज शुक्ला लाला विकास मिश्रा जिला मीडिया प्रभारी आदि उपस्थित रहे।

सुपर-१०० स्कूल लीडरशिप डेवलपमेंट कार्यक्रम में बीईओ अजीत प्रताप का हुआ चयन

कानपुर देहात, (यूएनएस)। निपुण भारत मिशन के तहत खंड शिक्षा अधिकारियों की क्षमता संवर्धन और शैक्षिक नेतृत्व विकसित करने के उद्देश्य से राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा संचालित सुपर–100 स्कूल लीडरशिप डेवलपमेंट कार्यक्रम के तहत एक नई पहल शुरू की है। इस पहल का उद्देश्य निपुण भारत लक्ष्य की समयबद्ध प्राप्ति के साथ खंड शिक्षा अधिकारियों को अपने–अपने विकासखंडों में प्रभावी नेतृत्व प्रदान करना है।इस कार्यक्रम में स्वप्रेरित और उर्जावान खंड शिक्षा अधिकारी शामिल होते हैं जो अपने नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन करते हुए अपने विकासखंडों में अकादमिक सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।सुपर–100 कार्यक्रम के तहत चुने गए अधिकारियों के लिए राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा हैंड होल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से निरंतर संवाद और मार्गदर्शन भी किया जाता है जिससे उनका शैक्षिक नेतृत्व और सुदृढ़ हो सके। हाल ही में प्रस्तावित सूची में नए नामित खंड शिक्षा अधिकारियों को शामिल किया गया है। जिनका राज्यस्तरीय उन्मुखीकरण जल्द ही आयोजित किया जाएगा। इस उन्मुखीकरण के बाद ये खंड शिक्षा अधिकारी अपने–अपने ब्लॉकों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए विशेष कदम उठाएंगे और स्कूलों में कार्यान्वित शैक्षिक गतिविधियों में नेतृत्व करेंगे। जनपद से सरवनखेड़ा विकासखंड के बीईओ अजीत प्रताप एवं कानपुर नगर से चौबेपुर विकासखंड के बीईओ आनंद कुमार को सुपर 100 में शामिल किया गया है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा द्वारा जारी इस निर्देश में यह स्पष्ट किया गया है कि खंड शिक्षा अधिकारियों को उनके ब्लॉकों में शैक्षिक नेतृत्व के तहत अकादमिक टीम का नेतृत्व करने का उत्तरदायित्व दिया गया है। इसमें विकासखंड के सभी विद्यालयों में गुणवत्ता सुधार और निपुण लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में कार्य करने की अपेक्षा की गई है। राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा आगामी दिनों में उन्मुखीकरण की तिथि और अन्य निर्देश पृथक रूप से भेजे जाएंगे जिससे नए नामित खंड शिक्षा अधिकारियों और उनकी टीम को दिशा निर्देश मिल सकेंगे।

संस्कृति विवि के फ्रेशर ने संगीत और नृत्य से मचाया धमाल

मथुरा, (यूएनएस)। संस्कृति विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए फ्रेशर पार्टी एक विशेष आयोजन के रूप में मनाई जाती है। इस वर्ष विवि में प्रवेश लेने वाले हजारों छात्र–छात्राओं ने स्वयं द्वारा और स्वयं के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में बढ़चढ़कर भाग लिया और अपनी नृत्य, संगीत और गायन की प्रतिभा को स्टेज पर प्रस्तुत कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। इस दौरान फैशन शो में विद्यार्थियों ने अपने आत्मविश्वास और आगे आकर उसे प्रदर्शित करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्कृति विवि के कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता और कुलपति प्रो.एमबी चेट्टी, रजिस्ट्रार मनीष मिश्रा ने किया। स्टेज पर कार्यक्रमों की शुरुआत छात्राओं द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना से हुई। इसके बाद स्टेज पर नृत्य, संगीत का जो धमाल शुरू हुआ वो चार घंटे तक चलता रहा और श्रोता विद्यार्थियों के शोर और हूटिंग से विश्वविद्यालय का परिसर गूंज उठा। फ्रेशर राखी और खुशी ने ओ जाने जाना गीत पर जमकर नृत्य प्रस्तुत किया। छात्र साहिल के गीत सैंयां सैंया, अभिनव–स्नेहा द्वारा तू है तो दिल धड़कता है गीत सुनाकर सबको झूमने पर मजबूर कर दिया। मणिपुर की लोककला को ब्रजबाला ने स्टेज पर एक परंपरागत नृत्य प्रस्तुत कर जीवंत कर दिया। छात्रा भारती ने बालीवुड के मिश्रित गीतों पर धमाकेदार नृत्य प्रस्तुत कर खूब वाहवाही बटोरी। इसके बाद जिस छात्र गुंजन पाठक ने बालीवुड गीतों पर अपने भावपूर्ण नृत्य से खूब तालियां बटोरीं। विद्यार्थियों की जबर्दस्त मांग पर उसने एक और गीत पर जबर्दस्त नृत्य कर सबका दिल जीत लिया। इसी बीच एक छात्र ने बांसुरी की ऐसी धुन बिखेरी कि सबके मन धुन के साथ गोते लगाने लगे। आयुष्मान का गाया, कालेज की लड़कियो गीत छात्र–छात्राओं के दिलोदिमाग पर छा गया। शुभांशु और तनिष्का ने गीत, एक दिन तेरी बाहों, बाहों में पनाहों में, पर जोरदार नृत्य प्रस्तुत किया। अनूप ने भी अपने नृत्य से खूप वाहवाही लूटी। इसी बीच बिहार में मनाई जाने वाली छठ पूजा को जागृति और उसके सहयोगियों ने नृत्य नाटिका से स्टेज पर जीवंत कर दिया। सुप्रिया और उसके साथियों ने पल्लू लटके मेरो पल्लू लटके गीत पर अपने नृत्य से सबका खूब मनोरंजन किया। लकी ने अपने गिटार वादन और गायिकी से, केशव एवं करिश्मा ने एक पंजाबी गीत से खूब दिल बहलाया। अविनाश ने, चुरा के दिल मेरा गोरिया चली गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया। इस नृत्य और संगीत के कार्यक्रम के बीच तीन चरणों में फैशन शो के अंतर्गत जुली कुमारी, प्रियंक, जाह्नवी, आशुतोष, अनन्या सिंह, ललित चौधरी, नीतू, दिया दास, शुभम सिंह, वैष्णवी, रघुवंश त्रिपाशी, जैद, मनीश राजपूत आदि ने रैंप वाक कर अपने आत्मविश्वास का जबर्दस्त प्रदर्शन किया। फ्रेशर पार्टी के इस आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में विवि की सीईओ डा. श्रीमती मीनाक्षी शर्मा और मो.फहीम अख्तर का विशेष योगदान रहा। फ्रेशर पार्टी के दौरान संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता ने विवि में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि जब मनोरंजन का वक्त हो तो खुलकर मस्ती करें लेकिन जब पढ़ाई का समय हो तो मन लगाकर पढ़ें। उन्होंने कहा कि आपके परिजनों को आपसे बहुत उम्मीदें होती हैं, उनपर खरा उतरिये। आप संस्कृति विवि के प्रतिनिधि हैं, इसलिए हमेशा ध्यान रखिए कि आपका व्यवहार संस्कारित होना चाहिए। समाज में तभी आप अपनी पहचान बना पाएंगे जब आप एक संस्कारित जीवन जिएंगे। यहां आपको पढ़ाई के साथ–साथ एक अच्छा नागरिक भी बनाया जाता है। उन्होंने सभी को उज्ज्व भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं।

गड्ढायुक्त शहर में जलभराव, फसल बर्बादी से दोहरा हुआ किसान

बाराबंकी, (यूएनएस)। अचानक बिगड़े मौसम के साथ हुई बारिश और तेज पछुआ हवाओं का असर गहरा गया है। शहरवासी जलभराव की समस्या से जूझे, सड़कें व गलियां बारिश की मार न सहकर गड्ढायुक्त हो गईं। खून पसीना एक कर किसानों की मेहनत का परिणाम धान की फसल तेज हवा से खेतों में लेट गई, जिसके तबाह होने के आसार बलवती हो गए हैं। बारिश और हुई तो रही सही कसर पूरी हो जाएगी। उधर रामनगर क्षेत्र में छप्पर दीवार सहित गिर गया, जिससे नीचे दबकर एक गाय व बछिया की मौत हो गई। अब किसानों को मुआवजा दिए जाने और राजस्व की वसूली रोके जाने की मांग उठने लगी है। बीते 24 घंटों में बाराबंकी जिले में 24 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। वहीं बारिश के लिए बदनाम सितंबर माह ने चालू वर्ष में जमुरिया नाला किनारे वालों को बख्श दिया पर मानसून के बाद लोकल डिस्टर्बेंस के चलते हो रही बारिश का कहर पहले जैसा ही है। गुरुवार की शाम से बदले मौसम ने शहरवासियों को उमस से खासी राहत दी, वहीं पारा लुढ़कने से लोगों को एकबारगी सर्दी का एहसास हुआ। बारिश का दूसरा पहलू परेशान करने वाला रहा। साफ सफाई के अभाव में बारिश के बाद नाले नालियां उफना गईं और उनका गंदा पानी मार्गों पर बहता नजर आया। शहर की सड़कें पहले ही खस्ताहाल थीं, बारिश के बाद इन पर बने गड्ढों में जलभराव हो गया, यहां तक कि सड़क पार करने का रास्ता भी नहीं बचा। मजबूर होकर लोग इसी पानी के बीच से होकर गुजरते रहे। बंकी रेलवे क्रासिंग के पर भीषण जलभराव के चलते लोग परेशान होते दिखे। तो लखपेड़ाबाग से सटे जलालपुर मोहल्ले के सरकारी स्कूल परिसर में जलभराव की समस्या से बच्चे और शिक्षक परेशान हुए। उधर बारिश व तेज हवाओं का सबसे बड़ा असर किसानों की मेहनत पर पानी फिरने के रूप में सामने आया है। जिले भर में हुई बारिश व तेज हवाओं ने तैयार धान की फसल को खेत में ही गिरा दिया। फसल गिरने से बाली के सड़ने का खतरा बढ़ गया है। अगेती फसल खराब होने की आशंका से किसान दोहरे हुए जा रहे। उनके माथे पर चिंता की लकीरें उभर आई हैं। दूसरी फसलों की तैयारी का इंतजार कर रहे किसान इस भावी नुकसान से उबरने का रास्ता नहीं तलाश पा रहे। खासकर जिन किसानों ने किसी तरह इंतजाम कर फसल तैयार की, उनके सामने समस्या गहरा गई है। रामनगर थाना अंतर्गत ग्राम गोबरहा निवासी रामफल पुत्र परशुराम की गाय व बछिया शुक्रवार की रात बंगला में बंधी हुई थी। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश व तेज हवाओं के चलते अचानक बंगले की पक्की दीवार छप्पर समेत भरभराकर गिर गई। जिसके चलते मलबे में दबकर दोनों जानवरों की मौत हो गयी। इसकी जानकारी परिजनों को होते ही मौके पर पहुंच कर मलबे को हटाया और दोनों मृत जानवरों को बाहर निकाला। घटना की जानकारी हल्का लेखपाल को दी गई है। दो मवेशियों की मौत के बाद से पशुपालक पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष राम बरन वर्मा ने शनिवार को उप निदेशक कृषि को मांग पत्र सौंपा। बताया कि धान की फसल पूरी तरह तैयार है किंतु बरसात और तेज हवाओं के चलने से फसल खेतों में गिर गई है, जिससे किसानों को भारी नुकसान पहुंचा है। किसानों ने कर्ज लेकर खाद, बीज का इंतजाम कर सिंचाई करवाई थी किन्तु इस बरसात ने भारी नुकसान पहुंचाया है। प्रत्येक किसान के नुकसान का आंकलन करवाकर 15 दिन मे मुआवजा दिया जाय नहीं आंदोलन किया जाएगा। युवा मंडल अध्यक्ष कपिल वर्मा ने कहा कि बरसात से प्रभावित किसानोंसे केसीसी, कृषि लोन, बैंक लोन विद्युत बकाया आदि की वसूली न की जाये। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला महामंत्री चौधरी कमालुद्दीन, जिला उपाध्यक्ष राज कुमार गुप्ता, मसौली ब्लाक अध्यक्ष अंकित वर्मा, तहसील सदर प्रभारी मोहम्मद इस्माईल, विजय कुमार वर्मा, संदीप वर्मा उपाध्यक्ष वसी अंसारी, इलियास अहमद,मोहम्मद अकील अंसारी, विनोद बाथम, मो जुनैद, धीरज कुमार, मुन्ना आदि उपस्थित रहे।

परिषद को नहीं भेजी जा सकी 250 शिक्षकों की पुरानी पेंशन पत्रावली, बीएसए से मिले शिक्षक

गोण्डा, (यूएनएस)। पुरानी पेंशन पाने के लिए शिक्षकों से मांगी गयी विकल्प पत्र की पत्रावली पर बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने अडंगा लगा दिया है। जांच अफसरों की शिथिलता से पत्रावली अटकी हुई हैद और उसे बेसिक शिक्षा परिषद नहीं भेजा जा सका है। शनिवार को बिशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष आजाद बेग के नेतृत्व में शिक्षकों ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से मुलाकात की और पत्रावली की जांच के लिए बनाई गई कमेटी पर जानबूझकर विलंब करने का आरोप लगाया। शिक्षकों ने पुरानी पेंशन पत्रावली परिषद को भेजे जाने की मांग की है। बीएसए ने 2 अक्टूबर के पहले पत्रावली शासन को भेजे जाने का भरोसा दिलाया है। बिशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष आजाद बेग ने बताया कि राज्य सरकार ने वर्ष 2005 से पहले नियुक्ति पाने वाले शिक्षकों को पुरानी पेंशन देने कि घोषणा की हैद।इसके लिए शिक्षको से विकल्प पत्र मांगा गया था। इस अवधि से पहले नियुक्त पाने वाले करीब 250 शिक्षकों ने अपना विकल्प पत्र भरकर बीएसए कार्यालय को उपलब्ध करा दिया था। विकल्प पत्र भरने वाले शिक्षकों में बीटीसी वर्ष 2001, बीटीसी वर्ष 2004, विशिष्ट बीटीसी 2004 व विबीटीसी उर्दू के तहत नियुक्ति पाने वाले शिक्षक शामिल हैं। इसकी जांच के लिए बीएसए की तरफ से तीन खंड शिक्षा अधिकारियों की जांच समिति बनाई गई है। जांच समिति में खंड शिक्षा अधिकारी कोमल यादव रियाज अहमद व उपेंद्र त्रिपाठी को शामिल किया गया है। आजाद बेग का कहना है कि जांच समिति के अधिकारी वर्ष 2004 में भर्ती हुए शिक्षकों से उनके नियुक्ति के संबंध में जारी किए गए विज्ञापन की प्रति मांग रहे हैं, जबकि बीटीसी की भर्ती में नियुक्ति से संबंधित विज्ञापन जारी करने का नियम नहीं था। प्रशिक्षण के लिए जारी किए गए विज्ञापन को ही नियुक्ति का विज्ञापन माना जाता था, परंतु अधिकारी इसे मानने के लिए तैयार नहीं हैं। जांच टीम के अधिकारियों की मनमानी से शिक्षकों के विकल्प पत्र की पत्रावली अटकी हुई है। शनिवार को आजाद बाग हुआ संजीव मिश्रा के नेतृत्व में शिक्षकों ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अतुल तिवारी से मुलाकात की और उन्हें स्थिति से अवगत कराया शिक्षकों ने जांच टीम पर जानबूझकर पत्रावली को अटकाने का आरोप लगाया है। इस पर बीएसए ने जांच टीम को 2 अक्टूबर तक जांच पूरी कर पत्रावली उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। बीएसए से मिलने वालों में राघवेंद्र प्रताप, अनुपमा सक्सेना हरीश कुमार मिश्रा, विश्वनाथ साहू, जगजीवन राम, पंकज चौधरी, नजर मोहम्मद, ललित कुमार कनौजिया, शालिकराम, दीप नारायन, बजरंग बहादुर सिंह, विजय कुमार वर्मा, रामस्वरूप भास्कर, जगत राम तिवारी, अवधेश कुमार मिश्रा सम्त अन्य शामिल रहे। जांच समिति में खंड शिक्षा अधिकारी कोमल यादव रियाज अहमद व उपेंद्र त्रिपाठी को शामिल किया गया है। आजाद बेग का कहना है कि जांच समिति के अधिकारी वर्ष 2004 में भर्ती हुए शिक्षकों से उनके नियुक्ति के संबंध में जारी किए गए विज्ञापन की प्रति मांग रहे हैं।

राज्य क्षय रोग नियन्त्रण प्रकोष्ठ ने 21 ग्राम पंचायतों को कराया टीबी मुक्त

कानपुर देहात, (यूएनएस)। जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एके सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम जनपद में वर्ष 2023 में राज्य क्षय रोग नियन्त्रण प्रकोष्ठ के द्वारा टीबी मुक्त मानकों को पूर्ण होने के उपरान्त जनपद की 21 ग्राम पंचायतों, ब्लॉक अकबरपुर की ग्राम पंचायत लहरापुर, दस्तमपुर, रूरवाहार, अमरौधा ब्लॉक की सुजौर, पुरैनी, लखनापुर, हलिया, मैथा ब्लॉक की विक्रमपुर, ज्योती, देवीपुर, सरिया, संदलपुर ब्लॉक की जिगना, डेरापुर ब्लॉक की महराजपुर, मलासा ब्लॉक की बिहारी, मावर, रसूलाबाद ब्लॉक के अपौना।

शिक्षिकाओं का सम्मान समारोह

प्रयागराज। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में शनिवार को संयुक्त शिक्षा निदेशक का अभिनंदन और शिक्षिकाओं का सम्मान समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। प्रधानाचार्या नीलम मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन करते हुए कहा कि डीआईओएस और जेडी सर के मार्गदर्शन में विद्यालय की शिक्षिकाओं

के वर्षपर्यंत सुनियोजित प्रयासों से वर्ष 2024 की बोर्ड परीक्षा में विद्यालय की इंटर की दो छात्राओं ने जनपद की प्रावीण्यता सूची में क्रमशः छठवां और सातवां स्थान प्राप्त किया। जिला विद्यालय निरीक्षक पीएन सिंह ने जेडी दिव्यकांत शुक्ल का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्रम से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि जेडी सर का व्यक्तित्व हम सभी के लिए प्रेरणादायक है।दृढनिश्चय,संकल्पशक्ति और अपरिमित ऊर्जा के साथ उन्होंने अपने कुशल नेतृत्व में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को एक नवीन दिशा प्रदान की है और देश के शिक्षापटल पर प्रदेश और माध्यमिक शिक्षा को गौरवान्वित किया है। संयुक्त शिक्षा निदेशक प्रयागराज मंडल और डीआईओ एस ने जीजीआईसी सिविल लाइंस, प्रयागराज की छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रधानाचार्या एवं शिक्षिकाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।दिव्यकांत शुक्ल ने कहा कि सभी को समेकित प्रयासों हेतु बधाई देते हुए कहा कि शिक्षक का पद राष्ट्रनिर्माता का है और इसीलिए आपका दायित्व भी पुनीत और विशाल है। आप सभी के ये लघुप्रयास कल बड़ी सफलताओं का आधार बनेंगे।मैं आशान्वित हूं कि आप सभी के अथक प्रयासों और जिला विद्यालय निरीक्षक, प्रयागराज के ऊर्जादायी नेतृत्व में आपके विद्यालय की छात्राएं भविष्य में प्रदेश की मेरिट में स्थान बनाएंगी। इस अवसर सह जिला विद्यालय निरीक्षक लालबाबू मौर्य,अजय गिरी,प्रधानाचार्या शशिबाला चौधरी, मंजुलेश विश्वकर्मा उपस्थित रहीं। प्रशस्ति पत्र प्राप्त करने वालों में लता कुमारी,रश्मि सिंह,किरन राय,रचना गुप्ता,मधु यादव,प्रज्ञा मिश्रा,अनीता उत्तम,रंजना यादव,प्रीति मिश्रा,वंदना,रेखाराम, अनिता पांडे,रेखा त्रिपाठी,उमा श्रीवास्तव,आकांक्षा केसरी,ज्योति अग्रवाल,क्षमा शुक्ला,मंजू श्रीवास्तव,मीना यादव,श्वेता यादव,भारती,किरन गुप्ता,वंदना पांडे आदि रहीं।संचालन उमा श्रीवास्तव ने किया।

महिला कालेज का 50 वर्ष पूरे होने पर विशेष कवर।

प्रयागराज। डाक विभाग एवं फिलाटेलिक सोसाइटी ऑफ उत्तर प्रदेश

के सहयोग से एस.एस. खन्ना गर्ल्स डिग्री कॉलेज के स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह के अवसर पर, प्रधान डाकघर में शनिवार को एक विशेष आवरण और विशेष विरुपण जारी किया। यह सम्मान पाने वाले शहर के कुछ ही शैक्षणिक संस्थानों में से एक है। मुख्य अतिथि श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव, सहायक निदेशक, डाक सेवाएं प्रयागराज क्षेत्र प्रयागराज साथ मे फिलाटेलिक सोसाइटी ऑफ उत्तर प्रदेश के महासचिव डॉ आदित्य सिंह एवं डॉ हरीश सिंह , सहा.प्रोफेसर एस. एस. खन्ना डिग्री कालेज प्रयागराज एवं श्री राजेश वर्मा, इंचार्ज फिलाटेलिक ब्यूरो प्रधान डाकघर प्रयागराज एवं सचिव पीएसयूपी, एम गुलरेज के द्वारा किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि किसी महिला कालेज का 50 वर्ष पूरे होने पर विशेष कवर, निकलना वास्तव में एक सम्मनजनक है इनके द्वारा स्त्री शिक्षा और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा। फिलेटलिस्ट अम्बरीस कुमार, मो. नुमान उपस्थित रहे। राजेश वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

क्षेत्र मे अत्याधिक वर्षा के करण नगर आयुक्त का औचक निरीक्षण

प्रयागराज। नगर आयुक्त चन्द्र मोहन गर्ग ने अत्याधिक तेज बारिश होने के करण नगर के विभिन्न क्षेत्रों नवाबयूसुफ रोड, कमलानेहरू रोड मेडिकल कालेज चौराहा, दरभंगा कालोनी, जार्जटाउन लिडिल रोड, अमरनाथ झा मार्ग, टैगोर टाउन, एल0आई0सी0 रोड, अल्लापुर, डडिया नाला, परेड मिन्टोपार्क रोड, कीडगंज तथा बैरहना आदि क्षेत्रों में जल भराव का औचक निरीक्षण किया गया, इस दौरान जार्जटाउन लिडिल पर पम्प चलते हुए पाये गये। अत्याधिक तेज बारिश के कारण जलजमाव काफी अधिक पाया गया। नगर आयुक्त द्वारा जल जमाव का कारण पूछे जाने पर सम्बन्धित अवर अभियन्ता राम सक्सेना ने बताया कि गया कि वर्तमान समय जो नाला बाना हुआ है पम्प के माध्यम से

नाले से पानी निकाला जाता है यदि लिडिल रोड से संगम पेट्रोल पम्प तक गहरे नाले का निर्माण करा दिया जाए तो बिना पम्प के पानी निकल जाएगा। इसपर नगर आयुक्त द्वारा इस रोड पर नाले के सर्व का कार्य कराये जाने तथा प्रस्ताव हेतु मुख्य अभियन्ता तथा अधिशाषी अभियन्ता को निर्देशित किया गया। इसी के साथ ही नगर आयुक्त द्वारा एल0आई0सी0 रोड होते हुए डंडिया नाला तक निरीक्षण किया गया यहॉ पर भी जल भराव से आर रही समस्याओं के बारे में सम्बन्धित अवर अभियन्ता से पूछने पर बताया गया कि 80 फिट रोड अल्लापुर बुलेट एजेन्सी के सामने रेलवे लाइन पार करके पाइपलाइन डाल दिया गया यहॉ पर भी 30 मीटर गहरे नाले के निर्माण करके जोड दिया जाए तो पानी निकलने में आसानी होगी साथ ही एल0आई0सी रोड के नाले पर लोड भी कम हो जायेगा। इसपर भी नगर आयुक्त द्वारा नाले के निर्माण हेतु सर्व का कार्य कराये जाने तथा प्रस्ताव हेतु मुख्य अभियन्ता तथा अधिशाषी अभियन्ता को निर्देशित किया गया। अल्लापुर 80 फिट रोड, बाद्यम्बरी गद्दी रोड तथा मालवीय जी के नालो पर कर्मचारियों द्वारा नाले की जाल की सफाई करायी जा रही थी जिससे पानी निकलना भी आरम्भ हो गया था, इसी के साथ ही सम्पूर्ण क्षेत्र में जोनल अधिकारियों तथा सफाई एवं खाद्य निरीक्षको को निर्देशित किया गया कि पानी निकलने के पश्चात साफ–सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित कराते हुए कीटनाशक दवाओं आदि का भी छिड़काव कराया जाना सुनिश्चित करें ताकि क्षेत्रों का जनजीवन सामान्य हो सके एवं किसी प्रकार की संक्रामक बिमारी फैलने पायें। सम्पूर्ण निरीक्षण के दौरान पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि नवाबयूसुफ रोड, कमलानेहरू रोड मेडिकल कालेज चौराहा, दरभंगा कालोनी, जार्जटाउन लिडिल रोड, अमरनाथ झा मार्ग, टैगोर टाउन, एल0आई0सी0 रोड, अल्लापुर, डडिया नाला, परेड मिन्टोपार्क रोड, कीडगंज तथा बैरहना क्षेत्र में पशुपालकों को नोटिस निर्गत कर नियमानुसार कार्यवाही करते हुए आवरा विचरण कर रहे जानवरों को हटाया जाना सुनिश्चित करें।

स्वच्छता बीमारियों के प्रसार को कम कर अच्छे स्वास्थ्य में सहायक।

प्रयागराज। स्वच्छता सभी को अपनी ओर आकर्षित करती है। स्वच्छता एक दो दिन की बात नहीं है अपितु यह जीवन काल में निरंतर चलने वाली प्रक्रिया

है। स्वच्छता सिर्फ बाहरी प्रक्रिया नहीं है यह अंदुरूनी प्रक्रिया भी है। उक्त बातें डॉ. स्वप्निल श्रीवास्तव कार्यक्रम अधिकारी ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो प्रयागराज द्वारा आज यूइंग क्रिश्चियन महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता ही सेवा–2024 जन जागरूकता कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने बताया कि पर्यावरण की स्वच्छता के तार मन की स्वच्छता से जुड़े हुए हैं। स्वच्छता बीमारियों के प्रसार कम कर अच्छे स्वास्थ्य को बनाये रखने में सहायक है। संवाद के दौरान स्वच्छता के महत्व और इसके लिए अधिकाधिक जन भागीदारी पर महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर स्वच्छता शपथ भी दिलायी गयी तथा श्रमदान करके स्वच्छता के संकल्प को चरितार्थ भी किया गया। केन्द्रीय संचार ब्यूरो के कार्यक्रम प्रभारी राम मूरत ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के दौरान पूरे देश में व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है जिसका प्रमुख उद्देश्य भारत को स्वच्छ और स्वस्थ बनाना है। महाविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अरूणेय मिश्र, डॉ. जॉन कुमार, डॉ. सूरज गुणवन्त, डॉ. प्रियंका बिनी लाल, डॉ. मंजू तिवारी तथा अंश गुप्ता, अमन तराणेकर, रीना यादव, शिवांश मिश्र, अस्मिता दिव्यानी, श्री मिश्र, स्वर्णा मिश्रा, अंकित चौहरी, अंकित यादव, प्रियांशी सिंह उपस्थित रहीं।

ज्वाला देवी गंगापुरी में मातृ भारती का गठन

प्रयागराज। ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज गंगापुरी रसूलाबाद शनिवार को ''मातृ भारती गठन एवं मातृ सम्मेलन'' का आयोजन वन्दना सभागार में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मॉ सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन, दीपार्चन एवं वन्दना से हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि

के रूप में डॉ. प्रिया श्रीवास्तव(असिस्टेंट प्रोफेसर कुलभास्कर डिग्री कॉलेज प्रयागराज)अध्यक्ष के रूप में स्नेहा पाण्डेय (सामाजिक कार्यकर्ता)तथा रचना मिश्रा (योग शिक्षिका) एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य युगल किशोर मिश्र मीडिया प्रभारी दीपक कुमार मिश्र उपस्थित रहे। विद्यालय मातृ भारती की प्रमुख एवं कार्यक्रम की संयोजिका आचार्या बेबिका राय ने अतिथियों का परिचय कराया। साथ ही कहा कि समाज में मॉ ही भावी पीढ़ी का निर्माण करती है। इसी बात का ध्यान रखते हुये विद्याभारती के विद्यालयों में मातृभारती का गठन किया जाता है। इसी क्रम में विद्यालय की छात्रा श्रेया तिवारी एवं आचार्या सविता त्रिपाठी ने वात्सल्य एवं मातृत्व पर आधारित हृदयस्पर्शी गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम संयोजिका बेबिका राय द्वारा मातृ भारती में चयनित पदाधिकारियों की घोषणा की गई जिसमें रचना मिश्रा(संरक्षक), बीनू सक्सेना(अध्यक्ष), सुनीता मिश्रा (उपाध्यक्ष), प्रीती पाण्डेय(मंत्री), प्रिय पाठक(सहमंत्री), सुप्रिया शुक्ला(कोषाध्यक्ष), नीतू तिवारी(प्रचार प्रसार मंत्री), रीना पाठक, सुमन सिंह, आराधना मिश्रा, नीतू सिंह,विजया मिश्रा, पूजा, रश्मि तथा कीर्ति (सदस्य) निर्वाचित हुईं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ने कहा कि – विद्या भारती द्वारा संचालित विद्यालयों की इस परम्परा में हम सभी मातृशक्तियों को बुलाकर अविस्मरणीय सम्मान दिया है।एक अच्छे समाज की संकल्पना नारी के बिना सम्भव ही नहीं है। इसलिए हम सभी माताओं को सदैव शिशुओं को उनकी आत्मशक्ति को विकसित करते रहना चाहिए। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि ने कहा कि इस प्रकार के सम्मान देखकर अभिभूत होते हुए कहा कि माताएं ही शिशुओं की प्रथम गुरू व पाठशाला हैं। कार्यक्रम अध्यक्ष ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम से आयी हुई माताओं के विश्वास को पुनः जागृति करना होता है जिससे शिशुओं के विकास में एक उर्जा प्राप्त हो जाती है। साथ ही सभी उपस्थित माताओं से विद्यालय प्रगति में सहयोग हेतु आग्रह किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम की प्रस्ताविकी विद्यालय के प्रधानाचार्य युगल किशोर मिश्र ने रखते विचार हुए कहा कि संसार में मां ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ रचना है जिसकी तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती है। कार्यक्रम में लगभग 235 माताएं , विद्यालय की सभी अध्यापिका व अध्यापक उपस्थित रहे तथा आये हुए सभी अतिथियों एवं मातृशक्तियों का आभार ज्ञापन मीनाक्षी मेहरोत्रा ने किया एवं संचालन रीता विश्वकर्मा, सरोज सिंह व श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया।

भातिसी पुलिस बल द्वारा स्वच्छता अभियान

प्रयागराज। शनिवार को श्स्वच्छता अभियानष के तहत श्री प्रवीण चन्द्र दास द्वितीय कमान (कमान अधिकारी) 18वीं वाहिनी, भारत तिब्बत सीमा पुलिस के मार्ग दर्शन में वाहिनी के पदाधिकारियों द्वारा वाहिनी के नजदीकी गॉव भगवतपुर एब स्कुली बच्यो (पी०टनम भी कोटि विद्यालय प्रयागराज में स्थानीय जनता के साथ स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा स्वच्छता के प्रति स्थानीय जनता को जागरूक किया गया एवं दैनिक जीवन में स्वच्छता के महत्व के बारे में बताया गया। इस अभियान के तहत स्थानीय जनता को साफ–सफाई का संदेश एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

जैन मिलन कार्यक्रम में त्यागी व्रती उपवास करने वाले को अनूप जैन,प्रदीप जैन,अंकुर जैन,अरुण जैन, रेनू जैन द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

मैं भी अपनी बिटिया को बाबा की जगह डॉक्टर को दिखाने जाऊँगी

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी प्रकोष्ठ आउटरीच गतिविधि प्रकोष्ठ, तथा मानवविज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में स्नातक, परास्नातक, शोधार्थियों और शिक्षकों के 44 सदस्यीय संयुक्त दल ने प्रयागराज की बलकरनपुर ग्राम पंचायत के बलकरनपुर ग्राम में वृहत स्तर पर आउटरीच गतिविधियों और जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय की परम आदरणीय कुलपति महोदया माननीया प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव की प्रबुद्ध प्रेरणा से ऊर्जित और इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा पूर्णतया वित्तपोषित इस आउटरीच कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं ने गॉव के प्राथमिक विद्यालय, बलकरनपुर में सर्वप्रथम वहाँ पधारे हुए ग्रामीणों और महिलाओं का माल्यार्पण कर उनको अपने आने का उद्देश्य बताया। इसके बाद विभागाध्यक्ष प्रो. राहुल पटेल ने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जाने वाली आउटरीच गतिविधियों के उद्देश्यों से ग्रामीणों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य, स्वच्छता, टीकाकरण, व्याधियों से बचाव, पर्यावरण संरक्षण, पौधरोपण एवं जल स्रोतों का संरक्षण इस आउटरीच गतिविधि के विशेष बिंदु होंगे जिस हेतु जनजागरूकता रैली, पोस्टर प्रदर्शन, नुक्कड़ नाटक, ट्रांसेक्ट वॉक, फोकस ग्रुप डिस्कशन, सहभागी कार्रवाई अनुसंधान आदि गतिविधियां आयोजित की जानी हैं। विभाग के शिक्षक और दल के सदस्य डॉ

शैलेन्द्र मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय में अर्जित ज्ञान का विद्यार्थी किस तरह से ग्रामीण विकास हेतु सशक्त उपयोग कर सकते हैं और कैसे स्वयं के ज्ञान का वर्धन कर सकते हैं। विभाग के पोस्ट डॉक्टोरल फेलो डॉ संजय द्विवेदी ने अपने संबोधन में ग्रामीणों को महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और बच्चियों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने पर बल दिया। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने बच्चों को पौधरोपण हेतु प्रेरित कर विद्यालय में उन बच्चों के हाथों से ही आम और शरीफा जैसे फलदार पौधों का रोपण करवाया। तत्पश्चात वहाँ एकत्रित ग्रामीण महिलाओं के हाथों से पौधरोपण का कार्य सम्पन्न कराया गया। गतिविधियों की अगली कड़ी में सहभागिता करने वाले विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा शिक्षकों ने उपस्थित सभी ग्रामीणों के साथ ट्रांसेक्ट वॉक का आयोजन किया जिसके तहत बलकरनपुर ग्राम के सभी हिस्सों का पैदल भ्रमण किया गया और उसके साथ गांव में उपलब्ध सभी प्राकृतिक संसाधनों, मानवजनित संरचनाओं और जल स्रोतों का खाका खींचा गया। तालाबों और कुओं की स्थिति भी समझने की कोशिश की गई। पोस्टर प्रदर्शन और जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से किये गए उदघोष और नारों के बीच बातचीत कर ग्रामीणों के मन के कौतूहल को विद्यार्थियों ने पूरी ऊर्जा और तन्मयता के साथ शांत करने का पूरा प्रयास किया। विद्यार्थियों ने गांव के बीचों बीच स्थित चबूतरे पर महिलाओं के स्वास्थ्य और मासिक धर्म की समस्याओं के संदर्भ में समाज में व्याप्त रूढ़िबद्धता को दूर करने के उद्देश्य से एक सशक्त नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। नुक्कड़ नाटक की अंतिम पंक्ति में जब माँ ने अपनी पुत्री से कहा ष्अब मैं भी अपनी बिटिया को झाड़–फूँक करने वाले बाबा की जगह डॉक्टर को दिखाने जाऊँगीष तो सीमेंट से पाट दिए गए कुयें की जगत के चारों ओर खड़ी महिलाओं और बच्चियों ने खूब तालियां बजाई और सहभागियों का उत्साहवर्धन किया। ग्रामीण महिलाओं और पुरुषों दोनों ने ही विद्यार्थियों के प्रयासों को खूब सराहा। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय उनके लिए चिंता करता है और अपने विद्यार्थियों को उनके जीवन में कुछ सुधार करने के लिए भेजा है इसके लिए विश्वविद्यालय के अधिकारियों का बहुत–बहुत धन्यवाद। बुजुर्गों ने उनको फिर से गांव में आने का न्योता दिया ताकि वो अपनी समस्याओं पर और अधिक खुल कर चर्चा कर सकें। राष्ट्रगान के पश्चात ग्रामीणों से 4 अक्टूबर को पुनः आने और उनकी समस्याओं को सुनने के लिए और अधिक समय निकालने के वायदे के साथ आउटरीच गतिविधि दल ने ग्रामवासियों से विदा लिया। विद्यार्थियों ने विभाग में शाम को वापस पहुँचकर विश्वविद्यालय के प्रति अपना आभार व्यक्त किया कि उनको आउटरीच के माध्यम से ग्रामीणों के जीवन के व्यवहारिक पक्ष पर ज्ञान प्राप्त हो सका। गतिविधियों के दौरान ग्राम प्रधान रीता साहू, ग्राम विकास अधिकारी मिथलेश मिश्र, पंचायत सचिव और प्राथमिक विद्यालय बलकरनपुर रहे।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं० : 9420242025 दिनांक : 25.09.2024

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाऐं निर्धारित प्रपत्र पर **दिनांक 21.10.2024 को 13:30 बजे** तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है :-

निविदा नं० : 209	अनुमानित मूल्य (रू) : 2,42,60,354.20
कार्य का विवरण : संयुक्त निविदा : (अ) सहायक मंडल अभियंता/लाइन/उत्तर मध्य रेलवे/ प्रयागराज के अधीन ए.आर.एफ. खुसरोबाग प्लेटफार्म के सुधारीकरण का कार्य। (ब) सहायक मंडल अभियंता/लाइन/उत्तर मध्य रेलवे/ प्रयागराज के अधीन प्रयागराज स्टेशन पर प्लेटफार्म संख्या 01 एवं प्लेटफार्म संख्या 02 के मध्य यार्ड ड्रेन पर रेनफोर्स्ड पॉलीमर ग्रेटिंग फाइबर ग्लास का प्रावधान।	
बयाने की रकम (रू) : 2,71,300.00	कार्य समापन की अवधि : 04 (चार) माह
निविदा खुलने की तिथि : 21.10.2024	
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार : कोई भी सिविल इंजीनियरिंग का कार्य	
निविदा नं० : 210	अनुमानित मूल्य (रू) : 1,18,83,258.50
कार्य का विवरण : वरिष्ठ मंडल अभियंता / द्वितीय / प्रयागराज के सेक्शन में स्टेशन नाम बोर्डों के मानकीकरण का कार्य।	
बयाने की रकम (रू) : 2,09,400.00	कार्य समापन की अवधि : 04 (चार) माह
निविदा खुलने की तिथि : 21.10.2024	
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार : रेट्रो-रेफ्लेक्टिव संकेत बोर्ड से सम्बंधित कोई भी कार्य	
निविदा नं० : 211	अनुमानित मूल्य (रू) : 61,21,538.10
कार्य का विवरण : सहायक मंडल अभियंता / उत्तर मध्य रेलवे / फतेहपुर के सेक्शन में बिन्दकी रोड स्टेशन पर 10 बेडों वाले आर0 पी0 एफ0 बैरक एवं आउट पोस्ट का प्रावधान।	
बयाने की रकम (रू) : 1,22,400.00	कार्य समापन की अवधि : 04 (चार) माह
निविदा खुलने की तिथि : 21.10.2024	
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार : बिल्डिंग निर्माण	

नोट : (1) ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। (2) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर **समय 13:30 बजे** तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि 21.10.2024 तक उपलब्ध है। (3) उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (4) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटरहेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (5) निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर एक प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। (6) माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी. एस. टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। (7) संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। (8) निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in पर भी अपलोड कर दिया गया है। (9) बयाने की राशि केवल नेटबैंकिंग अथवा गेटवे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। (10) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइड की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। (11) आनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि 21.10.2024 **को समय 13:30 बजे** तक प्रस्तुत की जा सकती है। (12) निविदादाता का जी.सी.सी. 2022 भाग-I के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों का निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 1708/24 (C)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा के लिए सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज, द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है, जिसका विवरण निम्नलिखित है:-

क्र.सं.: 1	ई टेंडर निविदा सूचना संख्या: GEM/2024/B/5438662 Dated 25.09.2024
कार्य का नाम: कुंभ मेला 2025 की अवधि के दौरान प्रयागराज, प्रयागराज छिवकी, सूबेदारगंज, विंध्याचल और संगम मेला क्षेत्र में बेड, गद्दे, चादर, कवर सहित तकिया, कवर सहित कंबल / रजाई की आपूर्ति और आपूर्ति की गई सामग्री के लिए धुलाई कार्य और बिस्तर तैयार करने के कार्यों के लिए निविदा	
निविदा सिस्टम : सिंगल पैकेट सिस्टम	ठेके की अवधि : कुंभ मेला अवधि (49 दिन)
कार्य का अनुमानित लागत (जी.एस.टी. सहित) : ₹ 3719108.36	
धरोहर राशि : ₹ 74400.00	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 22.10.2024 15:00
निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 22.10.2024 15:30	

नोट:1. उपरोक्त ई निविदा का पूरा विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) Gem वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट www.gem.gov.in पर टेंडर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेंडरो को चाहिए कि वे अपने आपको Gem की वेबसाइट पर पंजीकृत कराये। 3. संलग्न किये जाने वाले सभी दस्तावेज निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। 4. ई निविदा फार्म सभी निविदाकारों को निशुल्क जारी किये जायेगें। 5. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए Gem की वेबसाइट की हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है। 1705/24(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या: 20-विद्युत/सा0/प्रयागराज/24-25 दिनांक: 20.09.2024

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक **14.10.2024** समय **15:00** बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

क्रम संख्या: 1	निविदा सूचना संख्या: ELG-43-2425
कार्य का नाम: PRYJ: जीएम बंगलो के नवीकरण के संबंध में विद्युत आपूर्ति वृद्धि और विद्युत कार्य के साथ डीआरएम कार्यालय में केंद्रीकृत एयर कंडीशनिंग का प्रावधान।	
काम की लागत (रु.में): 16326085.16	बिड सिक्योरिटी (रु.में): 231600.00
कार्य समाप्त करने की समयावधि: 04 माह, निविदा खुलने की तिथि: 14.10.2024, समय –15:00 बजे। नोट:– 1. उपरोक्त ई–टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज़ के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है।	1711/24(ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062